वक्रतुण्ड महाकाय,
सूर्य कोटी समप्रभा।
निर्विघ्नं कुरु मे देव,
सर्व-कार्येशु सर्वदा।।

दिव्य आकाश

कोरबा का प्रथम बहुरंगीय हिन्दी/साप्ताहिक अखबार

15 सितंबर अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

वर्ष-15, अंक -23 | कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 13 से 19 सितंबर 2024 | पृष्ठ-8, मूल्य - रू. 3.00

मुठभेड़ में जवानों ने एक नक्सली को मार गिराया

सुकमा (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में शुक्रवार सुबह जवानों ने मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया। मारे गए नक्सली का शव बरामद हो गया है। शव के पास से ही भारी मात्रा में हथियार, विस्फोटक और अन्य सामग्री बरामद हुई है। शुक्रवार देर शाम सुकमा-बीजापुर बॉर्डर पर नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के कैंप पर हमला किया था। जानकारी के मुताबिक, पुलिस को सूचना मिली थी कि, चिंतागुफा क्षेत्र में तुमालपाड़ की पहाड़ी पर नक्सली मौजूद हैं। इसके बाद जिला बल, छ्त्र्न्न और बस्तर फाइटर्स के जवानों को सर्च ऑपरेशन पर भेजा गया था। जवान जब नक्सलियों के ठिकाने पर पहुंचे तो माओवादियों ने फायरिंग शुरू कर दी।

छत्तीसगढ़ में अब हिंदी में होगी एमबीबीएस की पढ़ाई, सीएम बोले- मेडिकल कॉलेज में किताबें देंगे, शिक्षा के सभी क्षेत्र में लागू करेंगे

रायपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ में अब एमबीबीएस की पढ़ाई हिंदी में होगी। हिंदी दिवस पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने घोषणा की है। इसी साल से सरकार हिंदी में किताबें भी उपलब्ध कराएगी। जिससे डॉक्टर हिंदी माध्यम से पढ़ाई पूरी कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारी सरकार बड़ा निर्णय ले रही है। हिंदी दिवस मनाने की सार्थकता तभी है, जब हम अपने काम-काज भी हिंदी में करें। शिक्षा के हर स्तर पर हिंदी को लागू करें।

मैकाले की साम्राज्यवादी शिक्षा नीति से अलग कर रहे

सीएम ने कहा कि, इसके लिए छात्र-छात्राओं की संख्या के अनुसार पुस्तकें उपलब्ध कराने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी के मार्गदर्शन पर काम हो रहा है।

हम अपनी शिक्षा नीति को हर स्तर पर पुरानी मैकाले की साम्राज्यवादी के शिक्षा नीति से अलग कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को पूरी तरह से लागू कर दिया है।

ग्रामीण स्टूडेंट्स को मिलेगा फायदा

सीएम साय ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी 2022 को उत्तर प्रदेश के उन्नाव की रैली में हिंदी में चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध कराने की इच्छा जाहिर की थी। हिंदी में चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध कराने का सबसे बड़ा लाभ ग्रामीण इलाके के छात्रों को होगा।

जो छात्र हिंदी मीडियम से होते हैं, वे प्रतिभाशाली होते हैं लेकिन अंग्रेजी की वजह से उन्हें चिकित्सा पाठ्यक्रम में कुछ दिक्कतें आती हैं। अब यह दिक्कत दूर हो जाएगी। इससे चिकित्सा शिक्षा के छात्र-छात्राओं का आधार भी मजबूत होगा। अच्छे चिकित्सक तैयार करने में इससे अधिक मदद मिलेगी।

मातृभाषा में शिक्षा दिए जाने पर यह सबसे बड़ा लाभ होगा कि विषय की बारीकी समझ पाएंगे। इसे हम छत्तीसगढ़ में हर स्तर पर लागू करने के लिए संकल्पित हैं।

आज की कांग्रेस 'अर्बन नक्सल का नया रूप बन गई है -मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि हरियाणा ने तय कर लिया है कि भाजपा राज्य में पांच अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज कर हैट्रिक लगाएगी। हरियाणा विधानसभा चुनाव घोषणा के बाद अपनी पहली रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने विभिन्न मुद्दों को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला और नए कार्यकाल में अपनी सरकार के कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि केंद्र की नयी राजग सरकार को अभी 100 दिन भी पूरे नहीं हुए हैं, लेकिन उसने पहले ही लगभग 15 लाख करोड़ रुपये के काम शुरू कर दिए हैं।

हरियाणा की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों पर हमला करते हुए मोदी ने कहा, ''हमने कांग्रेस सरकार का वह दौर देखा है, जब विकास के लिए पैसा सिर्फ एक जिले तक सीमित रहता था। मोदी ने कहा कि भाजपा ने समान रूप से विकास कार्य किए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की राजनीति देश में झूठ और अराजकता फैलाने तक सीमित हो गई है। उन्होंने कहा कि आज की कांग्रेस 'अर्बन नक्सल का नया रूप बन गई है और उसे झूठ बोलने में कोई शर्म नहीं आती। मोदी ने किसानों के मुद्दों को लेकर भी कांग्रेस पर हमला किया और कहा कि पार्टी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर शोर मचाती है लेकिन ''मैं उससे पूछता हूं कि वह कर्नाटक और तेलंगाना में कितनी फसलें एमएसपी पर खरीदती है।

विकास संस्कृति शिक्षा रत्न सम्मान से सम्मानित होंगे डॉ. गजेन्द्र तिवारी

15 सितंबर को बिलासपुर में सम्मान समारोह

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिला के पाली ब्लाक मुख्यालय में संचालित विद्यालय छत्तीसगढ़ पब्लिक हायर सेंकेंडरी स्कूल के डायरेक्टर एवं शिक्षाविद तथा काउंसलर डॉ. गजेन्द्र तिवारी विकास संस्कृति शिक्षा रत्न सम्मान से सम्मानित होंगे। 15 सितंबर को अभियंता दिवस पर विकास संस्कृति अभियंता अकादमी एवं विकास संस्कृति साहित्य अकादमी तथा विकास संस्कृति पर्यावरण परिषद के संयुक्त तत्वावधान में बिलासपुर स्थित होटल रिगल में सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है, जिसमें डॉ. गजेन्द्र तिवारी को विकास संस्कृति शिक्षा रत्न सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। सम्मान समारोह प्रात: 11.30 बजे रखा गया है। उक्ताशय की जानकारी प्रांतीय अध्यक्ष एम पी साहा एवं प्रांतीय महामंत्री बीएम ओझा ने दी। इस सम्मान के लिए चयनित होने पर डॉ. गजेन्द्र तिवारी को शुभचिंतकों ने बधाईयां दी है।

पीएम आवास में गाय ने बछिया को जन्म दिया : मोदी ने दीपज्योति नाम रखा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली में लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास में एक गाय ने बछिया को जन्म दिया है। पीएम मोदी ने शनिवार (14 सितंबर) को ङ्ग पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बछिया को दुलार करते हुए अपना एक वीडियो भी शेयर किया है।

कैप्शन में उन्होंने लिखा, हमारे शास्त्रों में कहा गया है- गाव: सर्वसुख प्रदा:। लोक कल्याण मार्ग पर प्रधानमंत्री आवास परिवार में एक नए सदस्य का शुभ आगमन हुआ है। प्रधानमंत्री आवास में गौ माता ने एक नव वत्सा को जन्म दिया है, जिसके मस्तक पर ज्योति का चिह्न है। इसलिए, मैंने इसका नाम दीपज्योति रखा है।

कोलकाता के एसएन बनर्जी रोड पर जोरदार धमाका

कोलकोता (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के एसएन बनर्जी रोड पर आज एक विस्फोट की घटना हुई। इस धमाके में एक व्यक्ति घायल हो गया है। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने रोड पर ट्रैफिक को रोक दिया और घटनास्थल को सील कर दिया। विस्फोट की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। घायल व्यक्ति को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड (बीडीडीएस) को बुलाया है। पुलिस ने घटनास्थल को घेरकर सुरक्षा के लिए उपाय किए हैं। बीडीडीएस की टीम ने घटनास्थल पर मौजूद बैग और अन्य वस्तुओं की जांच की है। ट्रैफिक को फिर से बहाल किया गया है, लेकिन पुलिस अभी भी इलाके की पूरी जांच कर रही है। धमाके की सूचना मिलने के बाद पुलिस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची। घायल व्यक्ति को एनआरएस अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी दाहिनी कलाई पर चोट लगी है। प्रारंभिक जांच के दौरान पता चला कि विस्फोट एक प्लास्टिक की बोरी में हुआ था।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी: भारत ने पाकिस्तान को 2-1 से हराया

दोनों गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने किए; टीम की लगातार पांचवीं जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी में शनिवार को डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने पाकिस्तान को 2-1 से हरा दिया। मुकाबला चीन में हुलुनबुइर के मोकी हॉकी ट्रेनिंग बेस में खेला गया। इस टूर्नामेंट में भारत की यह लगातार पांचवीं जीत है। भारत के लिए दोनों गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने किए। पाकिस्तान की ओर से अहमद नदीम ने गोल किया।

भारत 5 मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल में पहले नंबर पर है। जबकि पाकिस्तान 5 में से 2 मुकाबले जीतकर दूसरे नंबर पर है। दोनों टीमें पहले ही सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर चुकी हैं। हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर किए गोल मुकाबले के दौरान पहले क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। मुकाबले का पहला गोल पहले क्वार्टर के 7वें मिनट में पाकिस्तान के अहमद नदीम ने किया। यहां शाहीन ने शॉट खेलते हुए डी के अंदर बॉल डाली थी, जिसे नदीम ने डिफ्लेक्ट करके गोल कर दिया।

कोलकाता रेप-मर्डर, ममता की डॉक्टरों से मीटिंग फिर टली

प्रदर्शनकारी मीटिंग की लाइव स्ट्रीमिंग पर अड़े, ममता बोलीं- ये संभव नहीं, मामला कोर्ट में है

कोलकाता (एजेंसी)।

कोलकाता के आरजी कर कॉलेज और हॉस्पिटल में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर मामले पर प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टर और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच सहमति नहीं बन सकी। शनिवार (14 सितंबर) की शाम 6:30 बजे प्रदर्शनकारी डॉक्टर सीएम आवास पहुंचे। वे मीटिंग की लाइव स्ट्रीमिंग पर अड़े रहे।

इस पर सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि चर्चा की बातें रिकॉर्ड की जाएंगी, लेकिन लाइव स्ट्रीमिंग नहीं की जा सकती। क्योंकि मामला सुप्रीम कोर्ट में है। ममता ने यह भी कहा कि आपकी सभी मांगें मानना संभव नहीं है।

सीएम और डॉक्टरों के बीच पांच घंटे में यह दूसरी मुलाकात थी। शनिवार को ही दोपहर 1:30 बजे के करीब ममता स्वास्थ्य भवन के बाहर प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों से खुद मिलने पहुंचीं थी। डॉक्टर्स 10 सितंबर से यहां प्रदर्शन पर बैठे हैं। ममता ने डॉक्टरों से कहा, मेरा पद नहीं, लोगों का पद बड़ा है। मैं मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि आपकी दीदी बनकर आपसे मिलने आई हूं।

ममता ने कहा- आप काम पर लौटिए, मैं मांगों पर विचार करूंगी। सीबीआई से कहूंगी कि दोषियों को फांसी दी जाए। मैं आपके प्रदर्शन को सलाम करती हूं। आपके साथ अन्याय नहीं होने दूंगी। ममता ने डॉक्टरों से कहा- आपके खिलाफ कार्रवाई नहीं होगी ममता ने आगे कहा कि यह मेरी तरफ से बातचीत की आखिरी कोशिश है।

रेगिस्तान में झुलसने से भिलाई के शहजाद की मौत

सऊदी के टेली-कम्युनिकेशन कंपनी में करता था काम, 3 दिन बाद भारत लाया गया शव

भिलाई (एजेंसी)। सऊदी अरब में काम करने गए भिलाई के सेक्टर-7 निवासी शहजाद खान (29) की रेगिस्तान के तूफान में फंसकर मौत हो गई। चार दिन बाद सऊदी पुलिस ने शव बरामद किया। इसके बाद उसे हैदराबाद भेज दिया गया। परिजनों ने शुक्रवार को पैतृक गांव में अंतिम संस्कार कर दिया। शहजाद के चाचा अमानुल्लाह खान ने बताया कि, शहजाद उनका भतीजा था। पिता की मौत के बाद वे ही उसकी देखभाल कर रहे थे। शहजाद शादीशुदा है। उसके दो बच्चे हैं। डेढ़ साल पहले वह सेक्टर-7, रोड-26, क्वार्टर-9बी स्थित अपने घर आया था। उसके पिता बीएसपी में काम करते थे। शहजाद सात साल से सऊदी अरब के अल हुफुफ में एक टेली-कम्युनिकेशन कंपनी में सर्वेयर के पद पर काम कर रहा था। नौकरी के दौरान वह दम्माम में रहता था। कंपनी ने उसे और उसके सूडान के साथी को सर्वे के लिए रेगिस्तान में भेजा था।

जिओ की वार्निंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। साइबर अपराध की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं, जिसमें ठग मिनटों में हजारों किलोमीटर दूर से कॉल करके लोगों के बैंक खातों को साफ कर देते हैं। स्पैम कॉल्स और वर्चुअल गिरफ्तारी की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए, रिलायंस जियो ने अलर्ट जारी किया है। जियो ने अपने ग्राहकों को सलाह दी है कि अगर उन्हें +92 कोड से कॉल या मैसेज आते हैं, तो उसे तुरंत रिसीव करने से पहले एक बार सोच लें। अगर आपको ऐसा कॉल या मैसेज मिलता है, तो उसे 1930 पर रिपोर्ट करें।

पत्रकारवार्ता: पैतृक भूमि में से रोड के लिए जमीन दी, लेकिन बेजा कब्जा बताकर पार्षद अर्चना अग्रवाल द्वारा किया जा रहा भयादोहन एवं प्रताड़ित - गोपेन्द्र कुमार पाण्डेय

कोरबा (दिव्य आकाश)।

नगर पालिका परिषद कटघोरा वार्ड क्र.-04 संतोषी मंदिर के पास कटघोरा निवासी गोपेन्द्र कुमार पाण्डेय एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मेघा पाण्डेय ने तिलक भवन प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में आरोप लगाते हुए कहा कि वार्ड पार्षद श्रीमती अर्चना अग्रवाल द्वारा भयादोहन किया जा रहा है और प्रताड़ित करने के उद्देश्य से कार्यपालिक दण्डाधिकारी एवं अनुविभागीय दंडाधिकारी के न्यायालय में बार-बार शिकायत कर मुझे परेशान किया जा रहा है।

श्री पाण्डेय ने आरोप लगाया कि श्रीमती अर्चना अग्रवाल द्वारा बेजा कब्जा में निर्माण कार्य करा रहे हो, की धमकी देते हुए 50 हजार रूपए की मांग की और 50 हजार न दे पाने के कारण उन्होंने तहसील ऑफीस में मेरे विरूद्ध शिकायत की। तहसीलदार न्यायालय से स्टे लगा दिया गया और मेरा पक्ष सुनने के बाद तहसीलदार ने स्टे हटा दिया। तहसीलदार द्वारा स्टे हटाने के बाद अब एसडीएम न्यायालय में अतिक्रमण की शिकायत की और एसडीएम ने स्टे लगा दिया। इस तरह बार-बार शिकायत कर अर्चना अग्रवाल द्वारा मुझे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है।

सीमांकन में हमारी पैतृक भूमि खसरा नंबर 800, 801/3 कुल रकबा 26 डिसमिल में नगर पालिका परिषद कटघोरा द्वारा पूर्व पार्षद पवन अग्रवाल के कार्यकाल में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास स्वीकृत हुआ था और मुझे एक किस्त देकर वर्तमान पार्षद श्रीमती अग्रवाल ने सीएमओ को बोलकर किस्त भी रूकवा दी, जबकि मेरा घर पूर्णता की ओर है।

श्री पाण्डेय ने कहा कि तहसीलदार कटघोरा द्वारा स्टे हटाने के बाद श्रीमती अग्रवाल ने नगर पालिका कटघोरा में जनप्रतिनिधि हूं, कहकर नगर पालिका की तरफ से फिर से बेजा कब्जा कहकर एसडीएम न्यायालय में फिर से शिकायत कर दी है। एक बार तहसीलदार द्वारा स्टे हटाने के बाद अर्चना अग्रवाल द्वारा मुझे बार-बार शिकायत कर प्रताड़ित करने के उद्देश्य से मुझे और मेरे परिवार को मानसिक प्रताड़ना दिया जा रहा है, जिसके कारण मैं और मेरे बुजूर्ग माता-पिता परेशान हो गए हैं।

श्री पाण्डेय का आरोप है कि मेरे भाई राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने श्रीमती अग्रवाल को एक ट्रैक्टर ईंट, 10 बोरी सीमेंट हैसियत के अनुसार 8 हजार रूपए दिया था और पीएम आवास के सारे किश्त उसको दिलवा दी, लेकिन वह कह रही है कि जब तक 50 हजार नहीं दोगे, मैं तुम लोगों को छोड़ूंगी नहीं। कहकर बार-बार शिकायत कर रही हैं, जिसके कारण मैं मेरा परिवार, बूढ़े माता-पिता मानसिक रूप से प्रताड़ित हैं। श्री पाण्डेय ने कहा कि श्रीमती अर्चना अग्रवाल की धमकी से हम भयभीत और डरे हुए हैं।

श्री पाण्डेय ने बताया कि भाजपा नेत्री होने के कारण वे बड़े नेताओं से फोन करा कर सरकारी दफ्तरों में दबाव बना रही है और हमें भयभीत कर रहीं हैं। कटघोरा थाने में भयादोहन और प्रताड़ना की शिकायत गत 29 अगस्त को की गई है, लेकिन कटघोरा थाना द्वारा न्याय न मिलने के कारण 10 सितंबर को एसपी कार्यालय में भी गुहार लगाते हुए आवेदन दिया गया है। कलेक्टर साहब को भी हमने आवेदन दिया है। उन्होंने कहा कि न्याय न मिलने के कारण मैंने प्रेस की शरण ली और श्रीमती अर्चना अग्रवाल द्वारा गरीब परिवार को प्रताड़ित किए जाने से तंग आकर मैंने उनके कारनामों का खुलासा किया। श्री पाण्डेय ने कहा कि श्रीमती अर्चना अग्रवाल को जिताने में हमने पूरा सहयोग किया और मैं भी भाजपा का अदना सा कार्यकर्ता हूं और उनके द्वारा मेरे ही परिवार को प्रताड़ित किया जा रहा है। गरीब ब्राम्हण सोचकर कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल ने मुझे स्वेच्छानुदान से 5 हजार की राशि भी प्रदान की है। जब भाजपा के शासन काल में भाजपा कार्यकर्ता ही परेशान हैं और न्याय नहीं मिल रहा है, तो आखिर हमारे जैसे प्रताड़ित कार्यकर्ता जाएं तो जाएं कहां? इस लिए लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर विश्वास कर मैं यहां पहुंचा हूं। इस संबंध में प्रतिक्रिया लेने पर अर्चना अग्रवाल ने प्रतिक्रिया न छापने का आग्रह किया।

गोपेन्द्र कुमार पांडेय प्रेसवार्ता लेने परिवार सहित तिलक भवन पहुंचे

सड़क की जमीन में कई लोगों ने कब्जा किया, मैंने सड़क के लिए अपनी जमीन दी

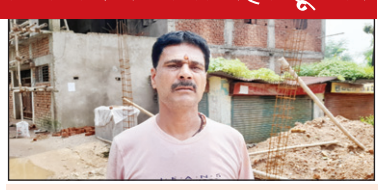

गोपेन्द्र कुमार पांडेय ने बताया कि पूर्व पार्षद पवन अग्रवाल के आग्रह पर मैंने जनहित में वार्ड क्रमांक 4 तालाब से मुख्य मार्ग जाने के लिए अपनी जमीन सड़क के लिए दी, जबकि जो पहले सड़क के लिए जमीन थी, उसमें कई लोगों ने कब्जा कर लिया और पूर्व पार्षद पवन अग्रवाल के कहने पर मैंने जनहित में सड़क के लिए अपनी जमीन दी, लेकिन गरीब परिवार का घर न बनने देने की कसम वर्तमान पार्षद अर्चना अग्रवाल ने खा रखी है। उन्होंने कहा कि अर्चना अग्रवाल को अन्य लोगों द्वारा करोड़ों की जमीन में किया गया अवैध कब्जा नहीं दिख रहा है और मैं 50 हजार नहीं दिया तो मेरी पुश्तैनी जमीन को भी शासकीय बताकर प्रताड़ित कर रही हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि खुद अपने प्रतिष्ठान शुभकामना में रकबा से अवैध कब्जा की हुई हैं। उनके प्रतिष्ठान का भी सीमांकन करने की मांग श्री पांडेय ने की है।

पैतृक जमीन बेचकर बना रहा हूं घर

गोपेन्द्र पांडेय ने प्रेसवार्ता लेने के बाद दिव्य आकाश प्रतिनिधि को निर्माणाधीन अपने घर को दिखाया और कहा कि सालों से यहां पर टूटी-फूटी झोपड़ी में जीवन काट रहे थे, जहां पर बरसात के दिनों में जहरीले जीव-जंतु से खतरा बना रहता था, घर में छोटे-छोटे बच्चे हैं, इसलिए पैतृक संपत्ति बेच कर घर बनवा रहे हैं और पीएम आवास के तहत मिलने वाली राशि से घर बनाने में मदद मिलती, लेकिन पार्षद की हठधर्मिता से हमारी किश्त रूक गई है और स्टे लगने से घर का काम रूक गया है।

पहले तहसीलदार ने लगाया स्टे, अब एसडीएम ने

श्रीमती अर्चना अग्रवाल द्वारा बार-बार शिकायत करने के कारण मैं परेशान हो गया हूं और पुश्तैनी जमीन होने के बाद भी न्यायालय का चक्कर लगाना मजबूरी हो गई है। पहले तहसीलदार ने स्टे लगाया, वहां से स्टे हटने के बाद एसडीएम ने स्टे लगाया, लेकिन मुझे न्यायालय पर विश्वास है।

शुभारंभ से पहले ही वंदेभारत के कांच तोड़े:कांग्रेस नेता के भाई समेत 5 गिरफ्तार, ट्रायल के दौरान 3 कोच पर फेंके पत्थर

महासमुंद/दुर्ग (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ को मिलने वाली दूसरी वंदे भारत ट्रेन के ट्रायल के दौरान ही शुक्रवार को उस पर पथराव किया गया। इसके चलते ट्रेन के 3 कोच c2-10, c4-1, c9-78 के कांच टूट गए। रेलवे पुलिस ने इस मामले में कांग्रेस नेता के भाई सहित 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

दरअसल, वंदे भारत ट्रेन का 13 सितंबर को ट्रायल रन था। ट्रेन सुबह दुर्ग स्टेशन से करीब 7.10 बजे विशाखापट्टनम के लिए निकली। लौटते वक्त शुक्रवार रात करीब 9 बजे महासमुंद के बागबाहरा रेलवे स्टेशन से गुजर रही थी। इसी दौरान आरोपियों ने उस पर पत्थर फेंके। पीएम मोदी 16 सितंबर को ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे।

पुलिस ने सभी आरोपियों को पकड़ा, पूछताछ जारी

रात में ट्रेन में पथराव की शिकायत मिलने के बाद पुलिस अलर्ट हो गई। शनिवार को पुलिस ने पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरपीएफ के मुताबिक पत्थरबाजों में आरोपी शिव कुमार बघेल, देवेंद्र चंद्राकर, जीतू तांडी, लेखराज सोनवानी और अर्जुन यादव शामिल है। आरोपी शिव कुमार यूथ कांग्रेस के खल्लारी विधानसभा के अध्यक्ष ताम्रध्वज बघेल का भाई और पार्षद खिलेश्वरी बघेल का देवर है।

आरपीएफ निरीक्षक प्रवीण सिंह धाकड़ ने बताया कि, पांचों आरोपी बागबहरा इलाके के रहने वाले हैं। सभी 25 से 30 के बीच के हैं। रेलवे एक्ट की धारा 153 के तहत कार्रवाई की जा रही है। इन सभी को रायपुर रेलवे स्पेशल कोर्ट में पेश किया जाएगा। पथराव के पीछे क्या कारण है, इसका भी पता लगाया जा रहा है।

जहां पथराव हुआ, वहां नशेड़ियों का अड्डा

बताया जाता है कि, बागबाहरा रेलवे कैंपस के पास ही पुराना बाजार हुआ करता था, जो अब हट चुका है। जिसके चलते लोगों का आवाजाही अब नहीं होत। वहीं पर एक मंदिर भी है और आसपास सन्नाटा पसरा रहता है। सारे असमाजिक तत्वों का डेरा लगा रहता है। कुछ कदम पर ही गांजा, शराब की खुलेआम बेचा जाता है। वंदे भारत ट्रेन पथराव भी उसी स्थान पर किया गया है।

मुख्यमंत्री की कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस के बाद मुंगेली एसपी हटाए गए

कबूतर कांड के बाद सुर्खियों में आए थे,भोजराम पटेल को मिली जिम्मेदारी

रायपुर (एजेंसी)।

आईपीएस गिरिजाशंकर जायसवाल और भोजराम पटेल।

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री के कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस के बाद मुंगेली एसपी को हटा दिया गया है। गृह विभाग ने आईपीएस गिरिजा शंकर जायसवाल (बैच-2010) को पुलिस मुख्यालय भेजा है। उनकी जगह पर 15वीं वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल में तैनात भोजराम पटेल को मुंगेली पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी दी गई है। भोजराम पटेल 2013 के आईपीएस अफसर हैं।

एसएसपी गिरिजाशंकर जायसवाल कबूतर कांड के चलते भी सुर्खियों में आए थे। 15 अगस्त को परेड कार्यक्रम में कबूतर नहीं उड़ पाया था। जिसके बाद जिम्मेदारों पर कार्रवाई के लिए एसएसपी ने कलेक्टर को पत्र लिखा था। जिसमें समन्वय की कमी दिखी थी।

छात्राओं को धमकाने वाली तहसीलदार माया अंचल का कांकेर तबादला

बिलासपुर (एजेंसी)।

बिलासपुर में छात्राओं को जेल भेजने की धमकी देने वाली तहसीलदार माया अंचल लहरे का नक्सल क्षेत्र कांकेर जिले में तबादला कर दिया गया है। वहीं, हाईकोर्ट ने कलेक्टर से जानकारी मांगी है कि, जवाब में मामला शॉर्ट आउट होने की बात कही, लेकिन सीएम कॉन्फ्रेंस के बाद तहसीलदारों का ट्रांसफर कर दिया गया। इससे पहले, राजनांदगांव में शिक्षकों की कमी की शिकायत करने पर छात्राओं को धमकी देने वाले जिला शिक्षा अधिकारी अभय जायसवाल को हटा दिया गया था। छात्राओं ने दुर्व्यवहार करने का भी आरोप लगाया था। इस तरह यह दूसरी कार्रवाई है। दरअसल, बिलासपुर में पचपेड़ी हायर सेकेंडरी स्कूल और हॉस्टल की समस्याओं को लेकर छात्राओं ने 9 सितंबर को मस्तूरी-पचपेड़ी मार्ग पर चक्काजाम किया। छात्राएं ने शिक्षक और मैडम पर मनमानी का आरोप लगाते हुए सड़क पर बैठी थीं।

एटीएम से 500 की जगह निकलने लगे 2000 रुपए

लोगों की लगी लाइन, बैंक मैनेजर से धक्का-मुक्की, पुलिस ने एटीएम किया सील

भिलाई (एजेंसी)।

दुर्ग जिले में बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम से जब 500 रुपए निकाले गए, तो अचानक 2000 रुपए निकलने लगे। इसकी जानकारी लोगों को लगी, तो एटीएम के बाहर लाइन लग गई। बैंक मैनेजर ने एटीएम को बंद करने पहुंचे, तो लोगों ने उनसे भी धक्का-मुक्की करनी शुरू कर दी। सुपेला पुलिस ने लोगों के हटाया और एटीएम को बंद कराया गया।

यह मामला सुपेला थाना क्षेत्र के लक्ष्मी मार्केट का है। लक्ष्मी मार्केट के छाया पार्षद धनेश्वर चौहान ने बताया कि, शुक्रवार रात 8 बजे एक आदमी बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम में पैसे निकालने गया था। उसने 500 रुपए निकालने के लिए एंट्री की, एटीएम ने 500-500 के चार नोट यानी 2000 हजार उगल दिए।

पैसे निकालने एटीएम के बाहर लग गई लाइन

इसके बाद जानकारी लगने पर कई लोग अपना एटीएम लेकर पैसे निकालने पहुंच गए। महज आधे घंटे के अंदर वहां पैसा निकालने वालों की लाइन लग गई। एक दुकान संचालक ने इसकी जानकारी बैंक मैनेजर को दी। बैंक मैनेजर ने सुपेला पुलिस को फोन किया।

जब बैंक मैनेजर एटीएम बंद कराने के लिए पहुंचे, तो लोगों ने उन्हें अंदर नहीं घुसने दिया। उन्होंने मैनेजर से ही धक्का-मुक्की करनी शुरू कर दी। सुपेला पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लोगों को वहां से भगाया। इसके बाद एटीएम को बंद कराया गया।

एटीएम को रात में कराया गया सील

बैंक मैनेजर ने तुरंत एटीएम संचालित करने वाली एजेंसी को फोन कर बुलाया। एजेंसी के इंजीनियर ने एटीएम को सील कर दिया। शनिवार सुबह से बैंक और एटीएम संचालन एजेंसी के इंजीनियर एटीएम में आई तकनीकी खराबी को सुधार रहे हैं। अभी तक यह नहीं पता चला पाया कि, एटीएम में कितना कैश डाला गया था और उसमें से कितनी रकम लोगों ने निकाली है।

बिलासपुर में फ्री फायर गेम ने ली बच्चे की जान:16 साल के लड़के ने लगाई फांसी

बिलासपुर (एजेंसी)।

बिलासपुर में एक 16 साल के लड़के ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। बताया जा रहा है कि उसे ऑनलाइन फ्री फायर गेम खेलने की लत थी। उसी में पूरा दिन लगा रहता था।

इसी की वजह से डिप्रेशन में था। मामला कोटा थाना क्षेत्र के बेलगहना चौकी का है। महीने भर में 4 बच्चे मोबाइल के लिए खुदकुशी कर चुके हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक नाबालिग का नाम रवि कुमार तिर्की है, जो करही कछार गांव का रहने वाले था। बताया जा रहा है कि लाश घर से डेढ़ किलोमीटर दूर जंगल में मिली है। यहां पेड़ पर रस्सी के फंदे से लटकी हुई थी।

मानसिक दबाव में आने से गई जान

मृतक रवि के पिता दादूराम तिर्की ने बताया कि बेटे ने कक्षा 6वीं तक की पढ़ाई की थी। आर्थिक तंगी के कारण आगे की पढ़ाई नहीं करा सके। बेटा घर पर ही रहता था। फ्री फायर गेम खेलते रहता था। मानसिक दबाव में आकर ऐसा कदम उठाया होगा।

मोबाइल के लिए एक माह में 4 बच्चों ने दी जान

छत्तीसगढ़ में मोबाइल की जिद पूरी नहीं होने पर पिछले एक माह में 4 बच्चे अपनी जान दे चुके हैं। चारों ही मामलों में बच्चे अपने पेरेंट्स से मोबाइल और उसमें गेम खेलने की डिमांड करते थे। विशेषज्ञों के अनुसार, बच्चों की मोबाइल की लत उनके मानसिक और शारीरिक विकास में बाधा बनती जा रही है।

बिलासपुर- मां ने मोबाइल नहीं दिलाया, बेटी ने दी जान

छत्तीसगढ़ के जशपुर में मोबाइल फोन नहीं मिलने पर 15 साल की लड़की ने खुदकुशी कर ली। उसका शव सोमवार सुबह पेड़ से फांसी पर लटकता हुआ मिला है। लड़की कई दिनों से अपनी मां से मोबाइल दिलाने की मांग कर रही थी। मामला पत्थलगांव थाना क्षेत्र का है। महीने भर में 3 बच्चे मोबाइल के लिए खुदकुशी कर चुके हैं।

पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा

ग्रामीण एडिशनल एसपी अर्चना झा ने बताया कि जंगल से लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक सुसाइड लग रहा है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मामला साफ हो सकेगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रेसवार्ता : एक हाथी मरा तो हमारी सरकार ने कटघोरा डीएफओ संत को सस्पेंड कर दिया, अब हाथी के नाम पर हो रहा सिर्फ भ्रष्टाचार

कटघोरा में हाथी का आंतक, कई मारे गए, लेकिन कटघोरा डीएफओ निशांत कुमार पर कार्यवाही क्यों नहीं ?

कोरबा (दिव्य आकाश)।

जिला कांग्रेस कमेटी के ग्रामीण अध्यक्ष सुरेंद्र प्रताप जायसवाल ने पत्रकारवार्ता में जिले में हाथियों के आतंक का मुद्दा उठाया और कहा कि हमारी सरकार के समय कटघोरा वनमंडल क्षेत्र में एक हाथी मारा गया, तब हमारी सरकार ने त्वरित कार्यवाही करते हुए तत्समय के डीएफओ डी डी संत को तत्काल निलंबित कर दिया और जांच करायी गई। आज हाथियों का आतंक के नाम पर वनमंडलों में सिर्फ भ्रष्टाचार किया जा रहा है।

हर साल हाथी के नाम पर करोड़ों का भ्रष्टाचार किया जा रहा है और परिणाम कुछ भी नहीं आ रहा है और लोग मारे जा रहे हैं। उन्होंने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि जब हमारी सरकार थी तो भ्रष्ट और लापरवाह डीएफओ पर कार्यवाही की जाती रही, लेकिन आज भाजपा सरकार द्वारा खुली छूट दी जा रही है। गत दिनों हाथी के हमले से कटघोरा वनमंडल क्षेत्र में तीन लोग मारे गए। कटघोरा के डीएफओ पर आरोप लगाते हुए कहा कि हाथी के नाम पर करोड़ों रूपए का भ्रष्टाचार हो रहा है और भाजपा सरकार उसे अभयदान दे रही है। उन्हें तत्काल निलंबित कर जांच करानी चाहिए। कटघोरा डीएफओ और उनका अमला सिर्फ हाथियों को एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र खदेड़ने बस का काम कर रहे हैं, लेकिन कटघोरा क्षेत्र में हाथियों का आतंक इस कदर बढ़ गया है कि लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है। कटघोरा डीएफओ को तत्काल निलंबित किया जाना चाहिए और उनके कार्यकाल में हाथी के नाम पर हुए भ्रष्टाचार की जांच करानी चाहिए। पत्रकारवार्ता में कांग्रेस शहर अध्यक्ष सपना चौहान, सांसद प्रतिनिधि हरिश परसाईं, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरूण शर्मा, बीएन सिंह, बालको ब्लाक अध्यक्ष दुष्यंत शर्मा सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ एसआई भर्ती परीक्षा: हाईकोर्ट ने खारिज की अपील

बिलासपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ में सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा निरस्त करने की अपील हाईकोर्ट चीफ जस्टिस की डबल बेंच ने खारिज कर दी है। कोर्ट ने सिंगल बेंच के फैसले को सही बताया है। चीफ जस्टिस ने कहा कि, असफल परीक्षार्थी भर्ती निरस्त करने की अपील नहीं कर सकते हैं।

हाईकोर्ट के इस फैसले से परीक्षा में चयनित उम्मीदवारों को बड़ी राहत मिली है। इससे पहले सिंगल बेंच ने भर्ती प्रक्रिया को 45 दिन में पूरा करने के लिए निर्देश दिया था। इसके बाद भी नियुक्ति आदेश नहीं जारी होने से नाराज अभ्यर्थी इन दिनों रायपुर में आंदोलन कर रहे हैं।

90 दिनों में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र देने के हैं आदेश

दरअसल, हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने एसआई भर्ती परीक्षा 2018 में चयनित अभ्यर्थियों को 90 दिनों में नियुक्ति पत्र जारी करने का आदेश दिया है। साथ ही कोर्ट ने कहा है कि, प्लाटून कमांडर की भर्ती में महिला उम्मीदवारों को हटाया जाए। उनकी जगह वंचित पुरुष अभ्यर्थियों का फिजिकल टेस्ट लेकर मेरिट के आधार पर नियुक्ति आदेश जारी करें।

कोलकाता डॉक्टर केस: सीबीआई जांच में बड़ा खुलासा, वारदात की रात आरोपी संजय रॉय को कॉल कर बुलाया गया था अस्पताल

कोलकाता (एजेंसी)।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में सीबीआई ने महत्वपूर्ण खुलासा किया है। जांच एजेंसी ने बताया कि वारदात की रात मुख्य आरोपी संजय रॉय, जो कि कोलकाता पुलिस का सिविक वालंटियर है, को किसी ने फोन करके अस्पताल में बुलाया था। सीबीआई की जांच में संजय रॉय के मोबाइल फोन की कॉल लिस्ट में पता चला है कि वारदात की रात और सुबह के समय उसने कई बार फोन पर बात की थी। अब सीबीआई उस व्यक्ति का नाम और पता खोज रही है जिसने संजय रॉय को फोन किया था।

संजय रॉय के दांतों के निशान लिए गए

सीबीआई ने गुरुवार को संजय रॉय के दांतों के निशान लिए। यह कदम इसलिए उठाया गया है क्योंकि मृतका के शरीर पर दांतों के काटने के निशान मिले थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इन निशानों का उल्लेख किया गया था। अब सीबीआई इन निशानों का मिलान संजय रॉय के दांतों के निशानों से करेगी, ताकि यह पुष्टि की जा सके कि ये निशान उसी के दांतों से हैं।

जांच में आगे की कारवाई

बुधवार को सीबीआई ने मुख्य आरोपी संजय रॉय से पूछताछ की और मामले में उसकी भूमिका को लेकर जानकारी हासिल की। इसके साथ ही, चार जूनियर डॉक्टरों से भी बयान लिया गया, ताकि घटनास्थल और संदिग्ध गतिविधियों के बारे में अधिक जानकारी मिल सके।

16 को ईद मिलादुन्नबी

कोरबा (दिव्य आकाश)।

मरकजी सिरत कमेटी द्वारा कोरबा की सरजमीं पर हर साल की तरह 16 को जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मुबारक मौके पर जुलूस का एहतेमाम किया जाएगा। जश्न के पूर्व कई कार्यक्रम आयोजित किये गए हैं। 14 सितंबर को बाइक व कार रैली निकाली गई, 15 सितंबर को बच्चों द्वारा जुलूस निकाला गया और 16 को सुबह नौ बजे जुलूस निकाला जाएगा

ज्ञानवापी ही साक्षात विश्वनाथ हैं, इसे मस्जिद कहना दुर्भाग्यपूर्ण, सीएम योगी का गोरखपुर में बड़ा बयान

लखनऊ एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि ज्ञानवापी को मस्जिद कहना दुर्भाग्यपूर्ण है और ज्ञानवापी स्वयं भगवान विश्वनाथ का एक सच्चा स्वरूप है। योगी ने शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 'समरस समाज के निर्माण में नाथपंथ का योगदान नामक विषय पर आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की, जहां काशी और ज्ञानवापी के पूजनीय स्थल के आध्यात्मिक महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, '' यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोग ज्ञानवापी को मस्जिद कहते हैं, जबकि यह स्वयं भगवान विश्वनाथ का स्वरूप है।

कोरबा में सड़क पर मिली युवक की लाश:दोनों हाथों में लगी थी निडिल, अस्पताल से भागने के बाद मौत की आशंका

कोरबा (दिव्य आकाश)। शनिवार सुबह नए बस स्टैंड के पास सड़क किनारे एक शव मिला। बताया जा रहा है कि युवक के दोनों हाथों में निडिल लगी थी। वह अस्पताल की ड्रेस में पड़ा मिला। पूरी घटना सीएसईबी चौकी क्षेत्र की है। मृतक का नाम राजू कुमार (26) है। वह राजधानी बस का हेल्पर था। पिछले कुछ दिनों से उसकी तबीयत ठीक नहीं चल रही थी। कटघोरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज चल रहा था। जहां से वह कब कैसे और किन परिस्थितियों में लापता हुआ इस बात की जानकारी किसी को नहीं है। डेंगु से मौत की आशंका जतायी जा रही है। सीएसईबी चौकी पुलिस ने शव मिलने के बाद सरकारी अस्पतालों से संपर्क किया। इस दौरान पता चला कि राजू कुमार अस्पताल से फरार हो गया है। चौकी प्रभारी लक्ष्मण प्रसाद खूंटे ने बताया जांच जारी है।

जैन ने एसईसीएल के मुख्य सतर्कता अधिकारी का पदभार ग्रहण किया

कोरबा/ बिलासपुर (दिव्य आकाश)।

हिमांशु जैन ने एसईसीएल के मुख्य सतर्कता अधिकारी का पदभार ग्रहण कर लिया है। श्री जैन प्रतिष्ठित इंडियन रेलवे सर्विस ऑफ सिग्नल इंजीनियर्स के 2007 बैच के अधिकारी हैं और इससे पहले वे सीनियर डिवीज़नल सिग्नल एवं टेलीकॉम इंजीनियर, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर में कार्यरत थे।

श्री हिमांशु जैन ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रायपुर से इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीकम्युनिकेशंस इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे से माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स और VLSI में स्नातकोत्तर किया है।

श्रीमती कौशिल्या देवी महतो पंचतत्व में विलीन, उनकी अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, दी गई श्रद्धांजलि

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा के ख्यातिलब्ध चिकित्सक एवं पूर्व लोकसभा सांसद, कोरबा भाजपा के संस्थापक सदस्यों में से एक स्व डॉ.बंशीलाल महतो की

धर्मपत्नी धर्मपरायण एवं ममतामयी मां के रूप में विख्यात श्रीमती कौशिल्या देवी महतो का निधन कल 09 सितंबर को हो गया था। 10 सितंबर को प्रात: करीब 12 बजे मोतीसागर पारा में उन्हें अंतिम विदाई दी गई और उनके पार्थिव देह को उनके अग्रज पुत्र विकास महतो ने मुखाग्नि दी और इस तरह श्रीमती कौशिल्या देवी महतो पंचतत्व में विलीन हो गई। भाजपा के प्रदेश मंत्री विकास महतो, दंत चिकित्सक डॉ. विवेक रंजन महतो, चार पुत्रियों सहित नाती-पोता से भरा पूरा परिवार छोड़कर श्रीमती कौशिल्या देवी सदा के लिए परलोक सिधार गई। कुछ दिनों से स्वास्थ्य समस्या के कारण श्रीमती महतो को हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। 09 सितंबर देर रात को उनके पार्थिव शरीर को एयर एम्बुलेंस के माध्यम से निवास पहुंचाया गया था और 10 सितंबर को उनके पार्थिव शरीर को अंतिम विदाई दी।

हजारों लोग शामिल हुए उनकी अंतिम यात्रा में

10 सितंबर को सीतामणी स्थित उनके आवास ऋषिकेश से उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई, जिसमें अल सुबह से ही उनके अंतिम दर्शन के लिए स्वजन, प्रियजन, परिवारजन एवं कोरबा सहित दूरदराज से आये लोगों की अभूतपूर्व भीड़ जुटी हुई थी। रथ सजाया गया और श्रीमती कौशिल्या देवी महतो के पार्थिव शरीर को रख कर मोतीसागर पारा स्थित मुक्तिधाम पहुंचाया गया, यहां पर उनके अंतिम दर्शन के लिए भी पार्थिव शरीर को रखा गया और हजारों लोगों ने उनका अंतिम दर्शन किया। आचार्य पंडित द्वारा मंत्रोच्चार के साथ उनकी सद्गति और अंतिम संस्कार के लिए पूजा अर्चना की और बड़े पुत्र विकास रंजन महतो, विवेक रंजन महतो सहित उपस्थित सभी लोगों ने उनके पार्थिव शरीर को नमन किया और रूआंसे विकास महतो ने विश्व की अपनी सबसे प्रिय मां को परलोक गमन के लिए मुखाग्नि दी और आशीर्वाद मांगा।

दी गई श्रद्धांजलि

श्रीमती कौशिल्या देवी के मृत देह को अंतिम विदाई देने के बाद उपस्थित हजारों लोगों ने परिसर में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। आचार्य पंडित, जायसवाल परिवार से रामगोपाल डिक्सेना, राजेन्द्र जायसवाल, आरएसएस की ओर से जुड़ावन सिंह ठाकुर, भाजपा की ओर से जिलाध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह सहित समाज प्रमुखों ने श्रीमती कौशिल्या देवी महतो की ममतामयी छवि का बखान किया और दो मिनट का मौन रखकर उनकी सद्गति के लिए प्रार्थना की।

संगठन की मजबूती व नवीनता के लिए अधिक से अधिक सदस्य बनाएं -सिंहदेव

कोरबा (दिव्य आकाश)।

भाजपा कार्यालय में भाजपा सदस्यता अभियान समिति कोरबा विधानसभा की बैठक हुई। बैठक में प्रदेश सदस्यता संयोजक अनुराग सिंहदेव ने सदस्यता अभियान की समीक्षा की और उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती और नवीनता के लिए अधिक से अधिक सदस्य बनाएं,यह भाजपा संगठन का महापर्व है जिसमें सबकी सहभागिता जरूरी है। केंद्रीय संगठन ने जो लक्ष्य राज्य के लिए तय किया है, उसे पूरा करने के लिए सभी को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर सदस्यता अभियान को व्यापक रूप देना होगा।

अनुराग सिंहदेव ने कहा कि जब से सदस्यता अभियान की शुरुआत हुई है, तब से ही प्रदेश में लगातार सदस्य बनने की प्रक्रिया बेहतर है। अभी तक करीब 10 लाख हमारे सदस्य बन गए हैं। इस संख्या को लक्ष्य तक ले जाने के लिए सभी को तत्परता से जुटना होगा। कोरबा जिले के अंतर्गत कोरबा विधानसभा में जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है, उसे पूरा करने में सभी मोर्चे-प्रकोष्ठ के सभी पदाधिकारी सहित सदस्यता अभियान टोली के पदाधिकारी मौजूद थे। उनके साथ भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह, सदस्यता अभियान के जिला संयोजक गोपाल मोदी, हितानंद अग्रवाल, मनोज मिश्रा, पवन सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे ।

दिव्य आकाश

अभियंता दिवस (15 सितंबर), ईद मिलादुन्नवी (16 सितंबर), अनंत चतुर्दशी, विश्वकर्मा जयंती (17 सितंबर) की हार्दिक शुभकामनाएं...

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 13 से 19 सितंबर-2024

अभियंता : आधुनिक भारत के नवनिर्माता

हमारे देश के अभियंता आधुनिक भारत के नवनिर्माता हैं। देश के प्रथम अभियंता सर मोक्षगुण्डम को आधुनिक भारत का विश्वकर्मा कहा जाता है। उन्होंने देश के अन्य अभियंता को संदेश दिया कि जो भी काम आप हाथ में लें उसे पूरी सिद्दत के साथ पूरा करें और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें, क्योंकि आप के हाथ में ही देश की तकदीर लिखी जाएगी। आज अभियंताओं को उनके संदेश का अक्षरश: पालन करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। भारत सरकार ने उन्हें यूं ही भारत रत्न नहीं दिया बल्कि उनके रोम-रोम में राष्ट्र निर्माण का जज्बा छुपा हुआ था। दिव्य आाकश परिवार की ओर से ऐसे महामनिषी को पुण्य श्रद्धांजलि एवं नमन् तथा समस्त अभियंताओं का अभिनंदन...

राष्ट्र निर्माता भारतरत्न सर
मोक्षगुण्डम विश्वेश्वरैय्या

" जो सीख चुके हो, उससे अधिक सीखने का प्रयत्न करो। सोचो, योजना बनाओ, गुण-दोषों पर गंभीरतापूर्वक विचार करने के उपरांत काम में लग जाओ।"
- श्री मोक्षगुण्डम विश्वेश्वरैय्या

15 सितंबर 2024 अभियंता दिवस पर समस्त अभियंताओं को हार्दिक बधाई...
- दिव्य आकाश परिवार

कमला देवी साहू को श्रद्धांजलि दी जयसिंह अग्रवाल ने

कोरबा (दिव्य आकाश)।

पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू की पत्नी कमला देवी साहू का निधन गत 09 सितंबर को रायपुर स्थित एक निजी चिकित्सालय में उपचार के दौरान हो गया। आकस्मिक निधन के कारण पूर्व गृहमंत्री के परिजनों व शुभचिंतकों में शोक व्याप्त है। वहीं पूर्व केबिनेट मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने उनके गृह ग्राम पाऊवारा दुर्ग पहुंचकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री अग्रवाल ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि ईश्वर श्रीमती साहू को अपने श्री चरणों में स्थान दे तथा दु:ख की इस घड़ी में परिवारजनों को सहन शक्ति प्रदान करें। उन्होंने श्रीमती साहू के तैल्य चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

किश्तवाड़ के बाद अब पट्टन में मुठभेड़, 3 आतंकी ढेर

बारामूला (एजेंसी)।

उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के पट्टन के चक टप्पर इलाके में मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि कल देर रात शुरू हुई चक टप्पर मुठभेड़ में दो और अज्ञात आतंकवादी मारे गए हैं। इसके बाद मारे गए आतंकवादियों की संख्या तीन हो गई है। फिलहाल तलाशी अभियान जारी है। आतंकवादी एक स्कूल की इमारत के अंदर छुपे हुए थे।

जानकारी के अनुसार अधिकारियों ने के.एन.ओ. को बताया कि सेना की 29 आर.आर., सी.आर.पी.एफ. और जम्मू-कश्मीर पुलिस की एक संयुक्त टीम ने इलाके में कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विश्वसनीय जानकारी मिलने के बाद बारामूला जिले के पट्टन के चक टप्पर गांव में घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया था। जब संयुक्त टीम संदिग्ध स्थान की ओर बढ़ी, तो छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। इस मुठभेड़ में अब तक 3 आतंकी मारे जा चुके हैं। समाचार लिखे जाने तक आतंकियों के तलाशी अभियान जारी है।

रिद्धि-सिद्धि की कामना के साथ हवन पूजन : गणपति बप्पा मोरया... अगले बरस तू जल्दी आ

जिले में गणेश विसर्जन शुरू

कौशल्या देवी महतो को श्रद्धांजलि देने पहुंचे नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत

कोरबा (दिव्य आकाश)।

अंचल के ख्यातिलब्ध चिकित्सक रहे व पूर्व सांसद स्व.डॉ. बंशीलाल महतो की धर्मपत्नी व भाजपा के प्रदेश मंत्री विकास महतो की माता श्रीमती कौशल्या देवी महतो के निधन पर उनके निवास पहुंचकर छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ. महंत ने कहा कि स्व. डॉ. महतो के निवास में कई अवसरों में स्व. कौशल्या देवी का स्नेह उनके परिवार को मिला है। इस दु:ख की घड़ी में महंत परिवार उनके साथ खड़ा है। उन्होंने परम पिता परमेश्वर से मृतात्मा की शांति व उनको अपने श्री चरणों में स्थान देने के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर डॉ. महंत के साथ महापौर राजकिशोर प्रसाद, हरीश परसाई, श्रीमती रेखा त्रिपाठी, डॉ. शेख इश्तियाक, विकास अग्रवाल पिन्टू के अलावा अन्य शुभचिंतक उपस्थित थे।

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

एक अभियंता
जिला-कोरबा (छ.ग.)

दुकान किराये पर देना है
कोरबा के हृदय स्थल टी.पी. नगर नया बस स्टैंड के पास होटल ब्लू डायमंड के सामने प्रथम मंजिल में सर्वसुविधायुक्त 2500 sqft फाल सिलिंग लगा हुआ शीघ्र ही किराए पर देना है।
हमसे संपर्क करें-
गोपाल राय सोनी
मो.: 79996 32557

LIC है तो कहीं और क्यों जाएं...?
एलआईसी कराएं... परिवार में सुख-समृद्धि पाएं
LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
आज ही बीमा कराएं अपने और अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित एवं बेहतर बनाएं

नई योजनाओं की जानकारी आज ही लें।
सालिक राजवाड़े (बीमा अभिकर्ता)
कार्पोरेट ऑफिस - वेदांत बीमा सेवा केंद्र
प्रेस क्लब के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा
मो.नं.-90987-52955, 99262-57886

रयूमीकैप (RHEUMICAP)

रयूमीकैप वात सम्बन्धित रोग जैसे शूल, आमवात, सन्धिवात, कटिग्रह, गृध्रसी में अचूक औषधि है, रयूमीकैप कुचला, इन्द्रायान, मूल गुडूची, रसौल, लहसुन, कुलिंजन बीज, शु. गुग्गुल, रास्नापत्र, इन्द्रजौ और अमलताश आदि औषधियों का मिश्रण है। इस औषधि का प्रधान कार्य वातवाहिनी नाड़ियों पर होता है। जब वायु कुपित हो भयंकर वेदना उत्पन्न करती है तब यह कैप्सूल विशेष प्रभावकारी होता है।
Bharat Ayurvedic Works, Mob.: 9897489900

आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श
गाठिया, जोड़ों का दर्द, साईटिका, श्वास, दमा, खांसी पुराना नजला, गैस, खाज, खुजली, शुगर, बवासीर, पथरी, लिकोरियो मर्दो व औरतों के गुप्त रोगों के निराश रोगी ईलाज के लिए मिलें!
डॉ. वाय. भारद्वाज
(एम.डी.) (एन.एम.)
शराब छुड़ाने की हर्बल दवा उपलब्ध
सभी कंपनियों के आयुर्वेदिक दवाईयों के थोक एवं रिटेल विक्रेता
एक कदम आयुर्वेद की ओर ... स्वस्थ रहो अभियान...
शिव हर्बल आयुर्वेदिक एण्ड कॉस्मेटिक
शॉप नं. 07 अल्का काम्प्लेक्स, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.ग.) मो.: 9302358945

राष्ट्र को समर्पित व्यक्तित्व सर मोक्षगुंडम जी की जयंती
(15 सितंबर)अभियंता दिवस पर सभी का हार्दिक अभिनंदन...

इंजी. राजेन्द्र साहू
सहायक अभियंता
जल संसाधन विभाग
कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

राष्ट्र को समर्पित व्यक्तित्व सर मोक्षगुंडम जी की जयंती
(15 सितंबर)अभियंता दिवस पर सभी का हार्दिक अभिनंदन...

इंजी. शांतनु विश्वास
सहायक अभियंता
जल संसाधन विभाग
कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

राष्ट्र को समर्पित व्यक्तित्व सर मोक्षगुंडम जी की जयंती
(15 सितंबर)अभियंता दिवस पर सभी का हार्दिक अभिनंदन...

इंजी. आशाराम विश्वकर्मा
सहायक अभियंता
जल संसाधन विभाग
कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

सुविचार

लगन से काम करो,मेहनत से जी न चुराओ और आगे बढ़ो...।
सर मोक्षगुण्डम

चिंतन

सीबीआई पर सुप्रीम तल्ख

सीबीआई पिंजरे में बंद तोते की धारणा दूर करे

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस उज्जल भुइंया ने शुक्रवार को केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई को जमकर फटकार लगाई। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत पर फैसला सुनाते हुए जस्टिस भुइंया ने कहा कि केजरीवाल की गिरफ्तारी अनुचित थी। जस्टिस भुइंया ने सीबीआई की आलोचना करते हुए कहा कि उसे पिंजरे में बंद तोता होने की धारणा को दूर करना चाहिए। उन्होंने सीबीआई द्वारा केजरीवाल को गिरफ्तार करने के समय पर सवाल उठाते हुए कहा कि सीबीआई की गिरफ्तारी का उद्देश्य केजरीवाल को जेल से बाहर आने से रोकना था।

जस्टिस भुइंया ने कहा कि सीबीआई देश की एक प्रमुख जांच एजेंसी है। यह जनहित में है कि सीबीआई न केवल निष्पक्ष दिखे, बल्कि उसकी निष्पक्षता पर सवाल उठाने वाली किसी भी धारणा को दूर करने की भी उसे हरसंभव कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कानून के शासन द्वारा संचालित लोकतंत्र में धारणा मायने रखती है। जांच एजेंसी को निष्पक्ष होना चाहिए। कुछ समय पहले इसी अदालत ने सीबीआई की निंदा करते हुए इसकी तुलना पिंजरे में बंद तोते से की थी। यह जरूरी है कि सीबीआई इस धारणा को दूर करे।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश ने कहा कि जब केजरीवाल को पीएमएलए कानून के कठोर प्रावधानों के तहत जमानत मिल चुकी है, तो उसी अपराध के संबंध में सीबीआई द्वारा उन्हें हिरासत में लेना पूरी तरह से अस्वीकार्य है। सीबीआई ने 22 महीनों तक अपीलकर्ता (केजरीवाल) को गिरफ्तार करने की जरूरत महसूस नहीं की, लेकिन जब वह ईडी मामले में रिहाई के कगार पर थे, तो तब सीबीआई द्वारा जल्दबाजी में अपीलकर्ता की गिरफ्तारी समझ से परे है। जस्टिस भुइंया ने केजरीवाल की गिरफ्तारी का सीबीआई द्वारा विरोध किए जाने पर कहा कि केजरीवाल द्वारा टालमटोल वाले जवाबों का हवाला देकर गिरफ्तारी और हिरासत को सही नहीं ठहराया जा सकता। असहयोग का मतलब आत्म-दोषी होना नहीं हो सकता।

शुक्रवार 13 सितंबर को ईडी मामले में केजरीवाल को जमानत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने शर्त लगाई थी कि उनके सीएम कार्यालय में प्रवेश करने और सरकारी फाइलों पर हस्ताक्षर करने पर रोक रहेगी। इन शर्तों पर जस्टिस भुइंया ने कहा कि मैं न्यायिक अनुशासन के कारण केजरीवाल पर लगाई गई शर्तों पर टिप्पणी नहीं करूंगा क्योंकि यह अलग ईडी मामला था। उल्लेखनीय है कि दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा दिल्ली शराब नीति और इसके क्रियान्वयन से जुड़ी कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की सीबीआई जांच के आदेश के बाद 2022 में आबकारी नीति को खत्म कर दिया गया था। सीबीआई और ईडी के अनुसार, आबकारी नीति को संशोधित करते समय अनियमितताएं की गईं और लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। केजरीवाल को शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट सशर्त जमानत मिल गई और लोगों का अभिवादन करते हुए कहा कि मुझे न्यायपालिका पूरा विश्वास है। सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी के बाद सीबीआई को भी चिंतन करना होगा, आखिर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश ने यह वाक्य - सीबीआई को पिंजरे में बंद तोता होने की धारणा को दूर करना चाहिए और न्यायप्रिय लोकतंत्र में जिस उद्देश्य से सीबीआई का गठन किया गया है, वह उद्देश्य पूरा हो।

संपादक

राष्ट्र निर्माण में अभियंताओं की भूमिका महत्वपूर्ण

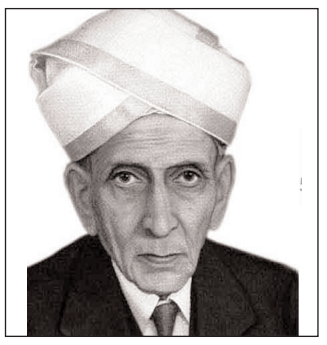

भारत रत्न सर मोक्षगुण्डम विश्वेश्वरैय्या ऐसे व्यक्तित्व का नाम है, जिन्होंने भारत के नवनिर्माण में अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। सर विश्वेश्वरैय्या भारत के प्रथम अभियंता रहे, जिनकी सोच और कार्यशैली ने भारत के विकास को रफ्तार दी। भाखड़ानंगल बांध की सोच और निर्माण सर मोक्षगुण्डम की ही देन है। आज राष्ट्र निर्माण में अभियंताओं का महत्वपूर्ण योगदान है। 15 सितंबर सर मोक्षगुण्डम की जन्म जयंती पर पूरे देश में अभियंताओं के सम्मान में अभियंता दिवस मनाया जाता है। बड़े-बड़े अधोसंरचना विकास अभियंताओं के बिना संभव नहीं है।

एम विश्वेश्वरैय्या का जन्म 15 सितंबर 1861 को कर्नाटक के मुद्दनहल्ली में एक सामान्य परिवार में हुआ था, लेकिन विश्वेश्वरैय्या के जज्बे ने उन्हें नया मुकाम दिया और अनवरत कठिन परिश्रम और संघर्ष करते हुए उन्होंने देश के प्रथम अभियंता बने। सर विश्वेश्वरैय्या ने इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपनी दूरदर्शिता और समर्पण के साथ भारत में असाधारण योगदान देकर भारत रत्न की उपाधि प्राप्त की। यह अलंकरण देश का सर्वोच्च सम्मान है, उनके सर्वोत्कृष्ट योगदन के लिए यह सर्वोच्च सम्मान उनको भारत सरकार ने समर्पित किया है।

उन्होंने जल संसाधनों के दोहन, कई नदियों में बांध बनाना, बड़े-बड़े पुलों के सफल डिजाइन बनाना और निर्माण कार्य को बड़ी ईमानदारी के साथ अपनी देखरेख में पूर्ण कराना और पूरे देश में सिंचाई परियोजनाओं को नया मुकाम देना सर विश्वेश्वरैय्या के समर्पण का प्रतीत है।

इंजीनियर- क्या है ?

इंजीनियर शब्द का बड़ा मायने निकाला गया। ENGINEER -E अर्थात आतुर। N-बिना रूके सीखना। G -प्रतिभावान। I-बुद्धिमान। N-राष्ट्र निर्माता । E- प्रयास करने वाला। E-उत्कृष्टता। R- सवार। अर्थात किसी कार्य को करने के लिए आतुर होकर बिना रूके सीखना और प्रतिभावान और बुद्धिमान बन कर राष्ट्रनिर्माण के लिए प्रयास करते हुए उत्कृष्टता में सवार होकर आगे बढ़ना।

1955 में सर विश्वेश्वरैय्या को भारत सरकार ने भारत रत्न बना दिया। वे स्वयं मानव जाति के रत्न थे। उन्होंने पहले ही आगाह कर दिया था कि पानी का संचय स्वर्णिम भारत के लिए जरूरी है और नदी-नालों में बांध बनाकर पानी का संचय करना होगा, जिससे हमारे अन्नदाताओं एवं अधोसंरचना विकास के लिए संचालित होने वाले उद्योगों के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी मिल सके। पानी ही एक ऐसा माध्यम है, जिससे भारत का विकास होगा और दूरगामी परिणाम देगा।

अपनी प्रतिभा और असाधरण स्मृति के धनी सर विश्वेश्वरैय्या ने देश के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। वे कहा करते थे, हमेशा सीखने की आदत डालो और टीम भावना के साथ ईमानदारी से देश को आगे बढ़ाओ। सादगी से स्वयं जीवन यापन कर मां भारती को समृद्ध और खुशहाल देखने वाले सर मोक्षगुण्डम आज इसीलिए वंदनीय हो गए हैं। आज के अभियंताओं को सर विश्वेश्वरैय्या के गुणों को अपनाकर भ्रष्टाचार मुक्त होकर संवेदनशील बनकर निर्माण कार्य को आगे बढ़ाना चाहिए, ताकि उनका संदेश का प्रतिफल देखने को मिले। आज वैमनस्यता बढ़ गई है, सर विश्वेश्वरैय्या ने सद्भावना को बल दिया और कहा कि समरसता से ही भारत का वैभव बढ़ेगा।

अभियंताओं को ऐसी छवि बनानी होगी, ताकि कोई भी उन पर ऊंगली न उठा सके और देश का विकास पूरी ईमानदारी के साथ करें। जब टीम भावना बलवती होगी, भ्रष्टाचार छवि पर हावी नहीं होगा तो देश के विकास की तस्वीर ही अलग होगी। आज देखने में आता है कि बनने के बाद ये बड़ा पुल गिर गया, यहां यह हादसा हो गया। ये घटनाएं भ्रष्टाचार के मूल कारण के कारण होती हैं। अभियंता देश निर्माण की मूल इकाई होते हैं। अभियंता दिवस पर समस्त अभियंताओं को हार्दिक बधाई एवं राष्ट्र निर्माण के लिए स्वच्छ छवि की अपेक्षा।

डॉ गजेन्द्र तिवारी
शिक्षाविद
पाली जिला कोरबा
मो.: 94241-50282

सीधी नजर हुई तो सीट पर बिठा गए

सीधी नजर हुई तो सीट पर बिठा गए
टेढी हुई तो कान पकड़ कर उठा गये।

सुन कर रिजल्ट गिर पड़े दौरा पड़ा दिल का
डॉक्टर इलेक्शन का रियेक्शन बता गये ।

अन्दर से हंस रहे है विरोधी की मौत पर
ऊपर से ग्लीसरीन के आंसू बहा गये ।

भूखों के पेट देखकर नेताजी रो पड़े
पार्टी में बीस खस्ता कचौड़ी उड़ा गये ।

जब देखा अपने दल में कोई दम नहीं रहा
मारी छलांग खाई से आई में आ गये ।

करते रहो आलोचना देते रहो गाली
मंत्री की कुर्सी मिल गई गंगा नहा गए ।

काका ने पूछा साहब ये लेडी कौन है
थी प्रेमिका मगर उसे सिस्टर बता गए।।

काका हाथरसी

प्रेरणा

मायूसियों में आस का दीपक जला के देख
उजड़े चमन में फिर से कोई गुल खिला के देख

पुर ख़ार रास्ते भी कहां रोक पाएंगे
क़दमों को अपने जानिब ए मंजिल बढ़ा के देख

तआबीर भी मिलेगी हक़ीक़त के रंग में
पलकों पै अपनी कोई तो सपना सजा के देख

सच्ची मुहब्बतें हैं तो उभरेंगे अक्स भी
काग़ज़ क़लम से कुछ तो लकीरें बना के देख

देते हो बेवफ़ाई का इल्ज़ाम तो मगर
वादा कभी तो एक भी अपना निभा के देख

ये बदगुमानियां हैं भला ग़ैर कब थे हम
बस शर्त है कि तू हमें अपना बना के देख

इन हिचकिचाहटों से तो बिगड़े हैं काम ही
जब ठान ही लिया है तो दिल भी लगा के देख

कब से भटक रहे तेरी चाहत के दश्त में
अब तो असीर ए ज़ुल्फ ए जानाँ बना के देख

खुशियों के ढेर मिलते हैं दिल को करार भी
अपने जो रूठ जाएं तो उन्हें मना के देख

एम.एम.खान
राजस्थान

महिलाओं की आर्थिक समृद्धि की नई इबारत लिखता छत्तीसगढ़ वन विभाग

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वन विभाग को महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए विशेष निर्देश दिए हैं। उन्होंने वन विभाग की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार के सभी संभव प्रयास करने कहा है। वन उत्पादों से जुड़े कार्यों एवम अन्य आजीविका मूलक कार्यों में महिलाओं की अधिक से अधिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने उन्हें प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं जिसके बेहद ही सुखद परिणाम देखने को मिल रहे हैं।

छत्तीसगढ़ वन विभाग संयुक्त वन प्रबंधन के तहत वनांचल में रहने वाले ग्रामीणों को वन संरक्षण और प्रबंधन में सक्रिय रूप से शामिल कर आर्थिक सशक्तिकरण के मार्ग प्रशस्त करता है। संयुक्त वन प्रबंधन समितियां स्थानीय ग्रामीणों से मिलकर बनती हैं जो वन संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं एवं वन संसाधनों के साझा उपयोग की अवधारणा से प्रेरित हैं। वन विभाग इन समितियों को प्रशिक्षण प्रदान करता है, जिससे वन पर निर्भर लोगो की आजीविका में सुधार हो सके।

छत्तीसगढ़ के मरवाही वन मंडल में बसे छोटे से गांव मड़ई की 11 महिलाओं का मां महामाया स्वसहायता समूह ने यह साबित कर दिया है कि दृढ़ संकल्प और सही मार्गदर्शन से अपनी आय के स्त्रोतों में वृद्धि कर जीवन स्तर को ऊँचा किया जा सकता है।

वन विभाग के सहयोग से इस समूह ने एक साधारण कृषि-वनीकरण की पहल को एक फलते-फूलते आर्थिक उद्यम में बदल दिया है। वन विभाग के मार्गदर्शन से एवं अपनी उद्यमिता से इस समूह की महिलाओं ने अब तक सात लाख रूपये से ज्यादा की आय अर्जित कर ली है। उनकी यह यात्रा न केवल आर्थिक समृद्धि की है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक सशक्तिकरण का भी प्रतीक है।

इस यात्रा की शुरुआत वित्तीय वर्ष 2018-19 में माँ महामाया स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष मीरा बाई और सचिव सुमित्रा तथा समिति की सदस्यों केवल्या, बुधकुंवर, रमेशिया, मनीषा, सेमकुंवर, मैकिन, लौंग कुंवर, सुखंता, और सुक्षेन ने साथ मिलकर, पथर्रा (रुमगा) राजस्व क्षेत्र की 5 हेक्टेयर भूमि में 2,000 आम के पेड़ लगाए। इन महिलाओं ने दशहरी, लंगड़ा, आम्रपाली, चौसा, बॉम्बे ग्रीन जैसी लोकप्रिय किस्मों के साथ-साथ स्थानीय किस्मों के भी आम के पेड़ लगाए। ग्रीन इंडिया मिशन के तहत कृषि वानिकी को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया यह कदम केवल एक वृक्षारोपण अभियान नहीं था बल्कि हरित आवरण को बढ़ाने, मृदा नमी संरक्षण में सुधार करने, और स्थानीय समुदाय के लिए स्थायी रोजगार के अवसर प्रदान करने की एक सुनियोजित रणनीति थी।

समूह की सदस्यों ने बताया कि शुरुआती वर्षों में संघर्ष और चुनौतियों का सामना करना पड़ा। पहले वर्ष में आम के पौधों की देखभाल के लिए उन्हें जमीन की गहरी जुताई करनी पड़ी। जिससे पौधों की जड़ें मजबूत हों और मिट्टी में नमी बनी रहे। इस दौरान उन्होंने सब्जियों की खेती नहीं की, क्योंकि नए आम के पौधों के लिए और भी देखभाल की जरूरत थी। हालांकि कोई मुनाफा नहीं हुआ, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। वर्ष 2019-20 में, जब आम के पेड़ थोड़े बड़े हुए, तो उन्होंने अंतरवर्ती स्थानों में सब्जियां उगानी शुरू कीं। बीन्स, टमाटर, पत्तागोभी, फूलगोभी, मटर, मिर्च, भिंडी, प्याज, सूरन, अदरक, हल्दी, लौकी, करेला, और कद्दू जैसी सब्जियों की खेती से होने वाली आय का उपयोग उन्होंने समूह की जरूरतों को पूरा करने और अगले मौसम के लिए बीज और खाद खरीदने में किया।

वर्ष 2020-21 और 2021-22 के वर्षों में समूह ने आम के पेड़ों की देखभाल के साथ-साथ सब्जियों की खेती का विस्तार किया। उन्होंने अपने बगीचे में विविध प्रकार की सब्जियां उगाईं और उनकी बिक्री से आय अर्जित की। इस दौरान उन्होंने आम के पौधों से फूल हटाने का कठिन निर्णय लिया ताकि पेड़ों की वृद्धि बेहतर तरीके से हो सके और भविष्य में अच्छी फसल मिल सके। वर्ष 2022-23 में समूह की मेहनत रंग लाई। आम के पेड़ पूर्ण रूप से विकसित हो गए और अच्छी फसल दी। उन्होंने 4,203 किलो आम को स्थानीय और बिलासपुर बाजारों में बेचा, जिससे उन्हें इस पहल की शुरुआत से अब तक 7 लाख रुपये से ज्यादा का मुनाफा हुआ। यह आर्थिक लाभ उनकी मेहनत, धैर्य और योजना का प्रत्यक्ष प्रमाण था।

वर्त्तमान में भी मां महामाया स्वसहायता समूह ने 98 प्रतिशत जीवित पेड़ों की दर के साथ अपनी सफलता को बनाए रखा है। उनकी यह पहल न केवल स्थानीय रोजगार और आर्थिक लाभ को बढ़ावा दे रही है, बल्कि पर्यावरणीय स्थिरता और महिला सशक्तिकरण का भी प्रतीक है। ग्रीन इंडिया मिशन के तहत, इस समूह की पहल गुड प्रैक्टिस का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस पहल ने यह सिद्ध किया है कि सही मार्गदर्शन और सामुदायिक सहयोग से कैसे ग्रामीण महिलाएं न केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ सकती हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं।

अपने वर्तमान कृषिवानिकी की उद्यमिता की सफलता से प्रेरित होकर यह स्व-सहायता की महिलाएं सब्जियों और आमों के परिवहन के लिए ई-रिक्शा खरीदने पर विचार कर रही हैं। इसके अतिरिक्त भविष्य में वे आम के स्वाद में विशेषीकृत एक लघु आइसक्रीम निर्माण की इकाई स्थापित करने की योजना बना रही हैं, जिससे उनकी आय में और वृद्धि हो सके।

मां महामाया स्वसहायता समूह की अध्यक्ष मीरा बाई ने कहा कि हम वन विभाग के निरंतर सहयोग के लिए आभारी हैं। उनकी मदद से हम न सिर्फ उच्च गुणवत्ता के आमों की सफलतापूर्वक खेती कर रहे हैं, बल्कि अंतरवर्ती रिक्त स्थानों में सब्जियों की भी खेती कर रहे हैं। इससे हमारी आय में बढ़ोतरी हुई है और हमारे समूह की महिलाएं सशक्त हुई हैं। साथ ही इस पहल ने आसपास के गांवों में रोजगार के नए अवसर भी पैदा किए हैं। हमारे जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

मां महामाया स्वसहायता समूह की सफलता की यह कहानी न केवल आर्थिक उन्नति की मिसाल है, बल्कि एक स्थायी और समृद्ध भविष्य की दिशा में भी एक प्रेरक कदम है।

जसं छत्तीसगढ़ (मरवाही)

मानसून में पुणे की करें सैर,जिंदगी रोमांच से भरपूर रहेगी

मानसून के सीजन में आप कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आप महाराष्ट्र के पुणे की इन खूबसूरत जगहों पर जरुर जाएं। महाराष्ट्र में स्थित, पुणे एक काफी हलचल से भरा महानगरीय शहर है, जिसका मराठा साम्राज्य के पेशवाओं की सीट के रूप में एक पुराना इतिहास रहा है। दरअसल, यह शहर समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक चमत्कारों को समेटे हुए हैं। गौरतलब है कि डेक्कन की रानी के रूप में जाना जाने वाला पुणे, अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांत हिल-स्टेशन जैसे माहौल के साथ, भारत के कुछ सबसे लुभावने स्थानों का घर है। इस लेख में हम आपको पुणे की खूबसूरत जगहों के बारे में बताएंगे, यहां आप पुणे की यात्रा के दौरान जा सकते हैं।

खड़कवासला बांध

पुणे सिटी के सबसे लोकप्रिय पर्यटक आकर्षणों में से एक, खड़कवासला बांध, जो मुथा नदी पर बनाया गया था। इसे एक जलाशय, खडकवासला झील, पुणे और उसके उपनगरों के लिए मुख्य जल स्रोत बनाया गया है। यहां पर देखने के लिए लुभावनी पहाड़ियों और आश्चर्यजनक दृश्यों से घिरा, कोई भी यहां सुंदर सनसेट का आनंद ले सकता है। यह डैम स्थानीय लोगों का पसंदीदा पिकनिक स्थल भी है।

सिंहगढ़ किला

पुणे का यह सिंहगढ़ किला कई लड़ाइयों का स्थल रहा है। यह किला सह्याद्रि की भुलेश्वर श्रृंखला की चट्टान पर बना है। सिंहगढ़ किला का यह स्थान पर मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करता है और शोर-शराबे से दूर रहने के लिए एक आदर्श स्थान है। पुणे में आसपास के अन्य किले जैसे तोरणा, पुरंदर और राजगढ़ सिंहगढ़ भी आप देख सकते हैं।

पुणे ओकायामा फ्रेंडशिप गार्डन

जापान के ओकायामा में कोराकुएन गार्डन से प्रेरित, पुणे ओकायामा फ्रेंडशिप गार्डन में रॉक गार्डन, छोटे पेड़ और एक सुखदायक झील जैसी शांत जगहें हैं, जहां आप जा सकते हैं। यह गार्डन 10 एकड़ में फैला, यहां आप अपने प्रियजनों के साथ एक शाम बिताने के लिए जा सकते हैं। यह उद्यान, जिसे भारत और जापान के बीच लंबी दोस्ती का प्रतीक है।

मुलशी झील और बांध

पुणे में यह जगह काफी लोकप्रिय है। मुलशी बांध पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन गया है। मुला नदी पर निर्मित, यह एक सुंदर दृश्य और शांति प्रदान करता है जो लोगों को तरोताजा होने का मौका देता है। यह स्थान दो पहाड़ियों और घने जंगल की बीत में बसा हुआ है।

ओशो तीर्थ पार्क

ओशो पार्क पुणे के कोरेगांव पार्क में 12 एकड़ में फैला एक सुंदर आश्रय स्थल है। पार्क में घने जंगल और ध्यान के लिए विशिष्ट स्थान हैं। यह अपने आश्चर्यजनक परिदृश्य और जल संरक्षण के तरीकों के लिए जाना जाता है। ओशो तीर्थ पार्क तेज़ सैर या शहरी जीवन की शोर-शराबे से बचने के लिए और शांति खोजने के लिए एक आदर्श स्थान है। एजेंसी।

90 दिनों तक रोज सूरज की पहली किरण के साथ करें दिन की शुरुआत और फिर देखें चमत्कार!

क्या आप जानते हैं कि सुबह देर तक सोने की आदत आपके लिए कितनी खराब है? जी हां सुबह जल्दी उठना आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। इससे आपकी प्रोडक्टिविटी भी बढ़ती है और आप बेहतर तरीके से काम कर पाते हैं। आइए जानें रोज सुबह जल्दी उठने के फायदे।

'जो सोवत है वो खोवत है, जो जागत है सो पावत है...।' ये कहावत शायद आपने भी सुनी होगी। इसका मतलब है, जो जागता है, उसे ही नए अवसर मिलते हैं, जो सोता है, वो सारे मौके गंवा देता है। इसी वजह से हमारे बड़े-बुजुर्ग हमें सुबह जल्दी उठने की सलाह देते हैं। हालांकि, आजकल सुबह जल्दी उठने का नहीं, बल्कि रात को देर तक जागने का चलन है।

लेकिन आपको बता दें कि प्रकृति की सुबह की शांति में उठना, एक आशीर्वाद है। सुबह जल्दी उठने से हमारे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है। अगर चाहें, तो एक चैलेंज भी ले सकते हैं। 90 दिनों तक रोज सुबह जल्दी उठें, इससे आपका शरीर धीरे-धीरे इसके हिसाब से ढलने लगेगा और आपको इससे कई फायदे भी मिलेंगे। इस आर्टिकल में हम इसी बारे में जानेंगे कि क्यों सुबह जल्दी उठना कैसे हमारे लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

सुबह जल्दी उठने के शारीरिक लाभ

वजन घटाने में मदद करता है- सुबह जल्दी उठने से आपके पास दिन में ज्यादा समय होता है, जिससे आप एक्सरसाइज करने और हेल्दी खाना खाने के लिए समय निकाल सकते हैं। एक्सरसाइज करने से कैलोरी बर्न होती है और वजन कम होता है। साथ ही, जब आप जल्दबाजी में नहीं होते, तो फास्टफूड कम खाते हैं।

पाचन में सुधार करता है- सुबह जल्दी उठने से आपका शरीर खाली पेट रहता है, जिससे यह आपके भोजन को बेहतर तरीके से पचा सकता है। यह कब्ज और अन्य पाचन संबंधी समस्याओं को रोकने में मदद करता है।

ऊर्जा बढ़ाता है- सुबह जल्दी उठने से आपका शरीर सूरज की रोशनी का फायदा मिलता है, जो विटामिन-डी के उत्पादन को बढ़ाता है। विटामिन-डी एनर्जी लेवल को बढ़ाने में मदद करता है।

इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है- सुबह जल्दी उठने से आपका शरीर भरपूर नींद ले सकता है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। एक मजबूत इम्यून सिस्टम आपको बीमारियों से बचाने में मदद करता है।

सुबह जल्दी उठने के मानसिक लाभ

तनाव कम होता है- सुबह जल्दी उठने से आपको दिन की शुरुआत करने के लिए भरपूर समय मिलता है। यह आपको तनाव कम करने और दिन के कामों के लिए तैयार होने में मदद करता है।

प्रोडक्टिविटी बढ़ाता है- सुबह जल्दी उठने से आपके दिमाग को शांत होने और विचार करने का समय मिलता है। इससे प्रोडक्टिविटी बढ़ाने में मदद कर सकता है।

मूड सुधारता है- सुबह जल्दी उठने से आप सुबह की हल्की धूप का आनंद ले सकते हैं। धूप में समय बिताने से मूड अच्छा होता है और आप खुशमिजाज बनते हैं।

फोकस करने में मदद करता है- सुबह जल्दी उठने से आपका दिमाग ज्यादा सतर्क और फोकस्ड रहता है, जिससे आपको काम करने और सीखने में आसानी होती है।

सुबह जल्दी उठने के भावनात्मक लाभ

आत्मविश्वास बढ़ाता है- सुबह जल्दी उठने से आप अपने दिन को अपने हिसाब से बेहतर प्लान कर सकते हैं। यह आपके आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद कर सकता है।

पॉजिटिव दृष्टिकोण विकसित होता है- सुबह जल्दी उठने से आप दिन की शुरुआत सकारात्मक विचारों के साथ कर सकते हैं। इससे आप पूरे दिन पॉजिटिव महसूस करते हैं।

सुबह जल्दी उठने के लिए टिप्स

जल्दी सोएं- सुबह जल्दी उठने के लिए आपको जल्दी सोना होगा। कोशिश करें कि हर रात कम से कम 7-8 घंटे की नींद लें।

अलार्म घड़ी का इस्तेमाल करें- एक अलार्म घड़ी सेट करें और उस पर अड़ें रहें।

सूरज की रोशनी का फायदा उठाएं- सुबह उठते ही खिड़की खोलें और सूरज की रोशनी का फायदा उठाएं।

सुबह का रूटीन बनाएं- सुबह का एक रूटीन बनाएं और उसे फॉलो करें। यह आपको सुबह जल्दी उठने में मदद करेगा। एजेंसी

इस दिन से शुरू हो रहे हैं शारदीय नवरात्रि जानें सही तिथि और घटस्थापना मुहूर्त

सनातन धर्म में शारदीय नवरात्रि को बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। देवी मां के भक्तों को नवरात्रि का बड़ी बेसब्री से इंतजार रहता है। साल में 4 नवरात्रि पड़ती हैं। जिसमें से 2 गुप्त नवरात्रि और अन्य चैत्र और शारदीय नवरात्रि के नाम से जाने जाते हैं। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत होती है। नवरात्रि में मां दुर्गा के 9 अलग-अलग रूपों की पूजा होती है। नवरात्रि के पहले दिन ही लोग अपने घरों में कलश स्थापना करते हैं। माना जाता है कि नवरात्रि में मां दुर्गा की पूजा करने से मन की हर इच्छा पूरी होती है। साथ ही जीवन में आने वाली हर परेशानी से छुटकारा मिलता है। तो आइए जानते हैं शारदीय नवरात्रि कब से शुरू हो रही हैं और कलश घटस्थापना का शुभ मुहूर्त क्या है।

कब है शारदीय नवरात्रि 2024

पंचांग के अनुसार, आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि का आरंभ 3 अक्टूबर की सुबह 12 बजकर 19 मिनट से होगा और इसका समापन 4 अक्टूबर की सुबह 2 बजकर 58 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार, शारदीय नवरात्रि 3 अक्टूबर 2024 गुरुवार से आरंभ होंगी और इसका समापन 12 अक्टूबर 2024 दिन शनिवार को होगा।

शारदीय नवरात्रि घटस्थापना मुहूर्त

नवरात्रि के पहले दिन कलश स्थापना का मुहूर्त- 3 अक्टूबर को सुबह 06 बजकर 15 मिनट से लेकर सुबह 07 बजकर 22 मिनट तक रहेगा। घटस्थापना के लिए अभिजीत मुहूर्त -सुबह 11 बजकर 46 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 33 मिनट तक रहेगा।

शारदीय नवरात्रि 2024 तिथि

नवरात्रि का पहला दिन- मां शैलपुत्री - 3 अक्टूबर 2024

नवरात्रि का दूसरा दिन- मां ब्रह्मचारिणी की पूजा - 4 अक्टूबर 2024

नवरात्रि का तीसरा दिन- मां चंद्रघंटा की पूजा - 5 अक्टूबर 2024

नवरात्रि का चौथा दिन- मां कूष्मांडा की पूजा - 6 अक्टूबर 2024

नवरात्रि का पांचवां दिन- मां स्कंदमाता की पूजा - 7 अक्टूबर 2024

नवरात्रि का छठा दिन- मां कात्यायनी की पूजा - 8 अक्टूबर 2024

नवरात्रि का सातवां दिन- मां कालरात्रि की पूजा - 9 अक्टूबर 2024

नवरात्रि का आठवां दिन- मां सिद्धिदात्री की पूजा - 10 अक्टूबर 2024

नवरात्रि का नौवां दिन- मां महागौरी की पूजा - 11 अक्टूबर 2024

विजयदशमी- 12 अक्टूबर 2024, दुर्गा विसर्जन

इस डिटॉक्स ड्रिंक से होगा लिवर में जमा गंदगी का सफाया

ज्यादा तली-भुनी और मसालेदार चीजें खाने से लिवर खराब होता है। इसलिए हमें समय-समय पर लिवर को साफ करते रहना चाहिए। अगर आप भी इसका सही तरीका नहीं जानते हैं, तो यह आर्टिकल आपकी काफी मदद कर सकता है। यहां हम आपको एक ऐसे डिटॉक्स ड्रिंक के बारे में बताने जा रहे हैं, जिससे न सिर्फ लिवर की गंदगी बाहर हो जाएगी, बल्कि धीरे-धीरे शरीर पर जमी चर्बी भी पिघलने लगेगी। आइए जानें।

डिटॉक्स ड्रिंक बनाने के लिए सामग्री

1 लीटर पानी
1 हरा सेब (छोटे टुकड़ों में कटा हुआ)
चिया सीड्स (1-2 चम्मच)
पुदीने के पत्ते (कुछ मुट्ठी भर)
तुलसी के पत्ते (कुछ मुट्ठी भर)

डिटॉक्स ड्रिंक बनाने का तरीका

सबसे पहले एक जग में 1 लीटर फ़िल्टर्ड पानी लें।
इसमें मुट्ठी भर तुलसी और पुदीने के पत्ते डालें।
एक हरे सेब को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर पानी में डाल दें।
अब इसमें 1-2 चम्मच चिया सीड्स डालें।
सभी सामग्रियों को अच्छी तरह मिला लें और कम से कम एक घंटे के लिए फ्रिज में रख दें।
एक घंटे बाद आप इस डिटॉक्स ड्रिंक का सेवन कर सकते हैं।

डिटॉक्स ड्रिंक के लाजवाब फायदे

इस डिटॉक्स ड्रिंक को रोजाना पीने से आपका पाचन तंत्र बेहतर रहता है। यह कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है और आपकी त्वचा और बालों को भी चमकदार बनाता है। इसके अलावा यह किडनी को स्वस्थ रखने में भी काफी मददगार है।

लेख में उल्लेखित सलाह और सुझाव सिर्फ सामान्य सूचना के उद्देश्य के लिए हैं और इन्हें पेशेवर चिकित्सा सलाह के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए। कोई भी सवाल या परेशानी हो, तो हमेशा अपने डॉक्टर से सलाह लें। एजेंसी

इस बार ट्राई करें ये नए स्टाइल के मोमोज, घर पर बनाने के लिए नोट कर लें ब्रेड मोमोज रेसिपी

एजेंसी।

मोमोज का नाम सुनते ही मुंह में पानी आने लगता है लेकिन मैदे से बने होने की वजह से ये आपके पाचन के लिए नुकसानदेह भी हो सकते हैं। ऐसे में आप चाहें तो ब्रेड के भी मोमोज बना सकते हैं। ब्रेड मोमोज बनाना बेहद आसान है और ये काफी टेस्टी भी होते हैं। इस आर्टिकल में हम ब्रेड के मोमोज बनाने की रेसिपी बता रहे हैं।

घर पर ऐसे बनाएं टेस्टी ब्रेड मोमोज

मोमोज का नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है। स्टीम्ड हो या फिर फ्राइड हर एक रूप में इसका स्वाद लाजवाब लगता है। चाइनीज डिशेज में फ्राइड राइस, मंचूरियन, चिली पोटैटो के साथ अब मोमोज भी लगभग सबकी फेवरेट डिशेज में शामिल हो चुका है। मैदे और आटे के मोमोज तो आपने कई बार खाए होंगे, लेकिन क्या कभी ब्रेड के मोमोज किए हैं ट्राई? स्वाद में ये बिल्कुल भी मैदे वाले मोमोज से कम नहीं लगते और सबसे अच्छी बात कि इसे बनाना भी बेहद आसान है। इसे आप इवनिंग स्नैक्स में ट्राई कर सकते हैं, साथ ही हाउस पार्टी में स्टॉर्टर के रूप में भी सर्व कर सकते हैं, तो आइए फटाफट से जानते हैं इसकी रेसिपी।

सामग्री-

4 ब्रेड स्लाइस
1/4 कप शेजवान चटनी
1/2 कप बारीक कटी हुई शिमला मिर्च
1/2 कप बारीक कटे प्याज
1/2 कप मक्का के दाने
1/4 कप किसा हुआ चीज

बनाने की विधि-

कटर या छोटी कटोरी/ गिलास से ब्रेड के टुकड़ों को गोल आकार में काट लें।
बेलन से बेलकर ब्रेड को चपटा कर लें।
ब्रेड के हर टुकड़े पर एक छोटा चम्मच शेजवान चटनी रखें और फिर बारीक कटी सब्जियां रखें।
मिश्रण के सबसे ऊपर कद्दूकस किया चीज डालें।
मोमो/ गुजिया/ डम्पलिंग मेकर की मदद से ब्रेड को आधे चंद्रमा के आकार में मोड़ें।
कढ़ाई को मध्यम आंच पर पहले से गर्म करें।
मोमोज को इस कढ़ाई में 2-3 मिनट हर साइड से सेकें, जब तक कि वे गोल्डन ब्राउन न हो जाएं।
केचअप या अपनी पसंद की किसी भी डिप के साथ गर्मागर्म परोसें।

सरकार ने प्याज, बासमती चावल पर न्यूनतम निर्यात मूल्य सीमा हटाई

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सरकार ने शुक्रवार को प्याज और बासमती चावल पर न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) की सीमाओं को हटाने का निर्णय लिया है। यह कदम निर्यात को प्रोत्साहन देने और किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से उठाया गया है। प्याज पर पहले 550 डॉलर प्रति टन का एमईपी लागू था, जिसे अब हटा दिया गया है। इसी तरह, बासमती चावल के निर्यात के लिए 950 डॉलर प्रति टन की एमईपी सीमा को भी समाप्त कर दिया गया है।

इस निर्णय का विशेष महत्व आगामी महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनावों के संदर्भ में है। महाराष्ट्र प्रमुख प्याज उत्पादक राज्य है, जबकि हरियाणा बासमती चावल के प्रमुख उत्पादकों में से है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि इस कदम से निर्यात बढ़ेगा और किसानों की आमदनी में सुधार होगा।

सरकार ने प्याज की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के लिए भी कदम उठाए हैं। दिल्ली और मुंबई में प्याज की रियायती दरों पर खुदरा बिक्री शुरू की गई है, जिसमें प्याज 35 रुपए प्रति किलो की दर से बेचा जा रहा है। सरकार का 4.7 लाख टन प्याज का बफर स्टॉक है, जो कीमतों में स्थिरता बनाए रखने में मदद करेगा।

यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब प्याज के खुदरा मूल्य में वृद्धि हो रही है और सरकार ने आने वाले महीनों में प्याज की उपलब्धता के सकारात्मक रहने की उम्मीद जताई है।

सोने में भारी उछाल: पहुंचा 73000 के पार, 49 दिनों में 7.21 प्रतिशत की तेजी

मुम्बई (एजेंसी)।

शुक्रवार को सोने की कीमत 73,044 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई, जिसमें एक दिन में 1,243 रुपए की वृद्धि दर्ज की गई। यह 10 मई के बाद से सोने की सबसे बड़ी एक-दिनी बढ़त है और 53 दिनों में पहली बार 73 हजार का स्तर पार किया गया है। सोने की कीमतों में यह तेजी 23 जुलाई को सरकार द्वारा सोने पर इंपोर्ट ड्यूटी 15 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत करने के बाद आई गिरावट के ठीक उलट है, जब कीमतें 68,131 रुपए प्रति 10 ग्राम तक गिर गई थीं। तब से अब तक यानि 49 दिन में सोने के दाम 7.21 प्रतिशत बढ़ गए हैं।

चांदी की बढ़त

चांदी की कीमतों में भी शुक्रवार को 2,912 रुपए प्रति किलो की वृद्धि देखी गई, जिससे यह 86,100 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई। इस वृद्धि के पीछे इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी में चांदी की बढ़ती मांग एक बड़ा कारण है। सैमसंग द्वारा विकसित नई ईवी बैटरी, जो 9 मिनट में चार्ज हो जाती है, में सिल्वर का इस्तेमाल किया जाता है। अगर इस तकनीक का अधिक उपयोग हुआ, तो चांदी की मांग में भारी इजाफा होगा। अनुमान के मुताबिक, अगर 20 प्रतिशत ईवी में यह बैटरी इस्तेमाल होती है, तो सालाना 16,000 टन चांदी की जरूरत होगी, जो कुल वैश्विक उत्पादन का 60 प्रतिशत है।

वैश्विक बाजार में सोने की संभावनाएं

अमेरिकी निवेश फर्म गोल्डमैन सैक्स के अनुसार, सोने की कीमतों में इस साल 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार में सोना 2,584 डॉलर प्रति आउंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा। 2025 की शुरुआत तक कीमतें 15 प्रतिशत बढ़कर 2,700 डॉलर प्रति आउंस पहुंच सकते हैं। यह बढ़ोतरी अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में संभावित कटौती और वैश्विक केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की स्टॉकिंग के कारण हो सकती है। यदि अमेरिका कर्ज के बोझ को लेकर नए वित्तीय प्रतिबंध लगाता है या भू-राजनीतिक तनाव बढ़ता है, तो सोने की कीमतों में और मजबूती आ सकती है।

अमेरिका-चीन के बीच बढ़ते तनाव से और चमकेगा सोना

रूस-यूक्रेन और इजरायल-हमास के बीच जारी तनाव और अमेरिका में आगामी राष्ट्रपति चुनाव से भी सोने की मांग बढ़ रही है। इसके अलावा, अमेरिका-चीन के बीच बढ़ते तनाव, जैसे कि चीनी ईवी पर अमेरिकी 100 प्रतिशत इंपोर्ट ड्यूटी ने भी बाजार में अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिससे निवेशक सोने की ओर रुख कर रहे हैं।

आरबीआई का एक्शन:

4 एनबीएफसी का रजिस्ट्रेशन किया रद्द, 13 अन्य कंपनियों ने भी सर्टिफिकेट सरेंडर किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक ने चार नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों का रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट रद्द कर दिया है और 13 अन्य एनबीएफसी ने अपना रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट केंद्रीय बैंक को वापस कर दिया है।

रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट रद्द की गई कंपनियां

भरतपुर इनवेस्टमेंट लिमिटेड (भरतपुर, राजस्थान)
केएस फिनलीज लिमिटेड (मुरैना, मध्य प्रदेश)
बिल्ड कॉन फाइनेंस लिमिटेड (कांचीपुरम, तमिलनाडु)
ऑपरेटिंग लीज एंड हायर परचेज कंपनी लिमिटेड (चेन्नई, तमिलनाडु)

इन कंपनियों के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट रद्द करने के आदेश 3 जुलाई, 14 अगस्त, 19 अगस्त और 20 अगस्त को जारी किए गए थे।

रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट सरेंडर करने वाली 13 कंपनियां

सुगुना फिनकॉर्प (कोयंबटूर, तमिलनाडु)
स्पैम मर्चेंट्स (कोलकाता, पश्चिम बंगाल)
माहम होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड, पद्मालक्ष्मी होल्डिंग्स, रोहिणी होल्डिंग्स, और रघुवंश होल्डिंग्स (चेन्नई, तमिलनाडु)
उमंग कमर्शियल कंपनी, मां कल्याणेश्वरी होल्डिंग्स, और तमाल स्टेशनर्स (कोलकाता, पश्चिम बंगाल)
मदुरा माइक्रो फाइनेंस लिमिटेड (चेन्नई, तमिलनाडु)
डांटे इनवेस्टमेंट्स, कैनोपी फाइनेंस, और वराहगिरी इनवेस्टमेंट्स एंड फाइनेंस (मुंबई, महाराष्ट्र)

इन कंपनियों ने विभिन्न कारणों से जैसे कि विलय, डीसॉल्यूशन या स्वैच्छिक हड़ताल, अपना रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट वापस किया है।

समस्त जिलेवासियों को

अभियंता दिवस

पर हार्दिक शुभकामनाएं...

इंजी. आर.एम. ओझा

अनुविभागीय अधिकारी, जल संसाधन

उप संभाग कटघोरा क्र.-2, जिला-कोरबा

अभियंता दिवस (15 सितंबर) सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया जी की जयंती पर सभी अभियंताओं एवं जिलेवासियों को हार्दिक बधाई...

इंजी. एस.के. तिवारी

कार्यपालन अभियंता

मिनीमाता हसदेव जल प्रबंध संभाग

बांगो (माचाडोली) जिला-कोरबा (छ.ग.)

समस्त अधिकारी - कर्मचारी

अभियंता दिवस की समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...

आधुनिक भारत के निर्माता

श्रेष्ठ अभियंता एवं

भारत रत्न से सम्मानित

डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया

की जयंती पर उन्हें सादर नमन ...

इंजी. ए.पी. शुक्ला

कार्यपालन अभियंता

नगर पालिक निगम कोरबा, जिला-कोरबा

सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैय्या जी की जयंती 15 सितंबर

अभियंता दिवस पर प्रदेश के समस्त अभियंताओं को

हार्दिक शुभकामनाएं...

इंजी. हरमन एक्का

अनुविभागीय अधिकारी

जल संसाधन, उप संभाग पाली, जिला-कोरबा

बालको अस्पताल उत्कृष्ट उपचार सुविधा के साथ क्षेत्र में अग्रणी

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अपने बालको अस्पताल में हाइड्रोसेफलस और फेकोइमल्सीफिकेशन के न्यूरोसर्जरी प्रक्रियाओं के लिए उन्नत चिकित्सा तकनीकों को शामिल किया है। ऐसे जटिल बीमारी के लिए अक्सर उन्नत देखभाल की आवश्यकता होती है जिसके लिए मरीज को उपचार के लिए शहर जाना पड़ता है। ये तकनीक अस्पताल की सेवा क्षमताओं को बढ़ाएँगी और समुदाय में उन्नत स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के सहायक होंगी। हर साल बालको अस्पताल की कुशल चिकित्सा टीम छत्तीसगढ़ के कोरबा, रायगढ़, बिलासपुर और जांजगीर चांपा जिलों के 2,10,000 से अधिक रोगियों की सेवा करती है।

बालको अस्पताल के डॉक्टरों ने हाइड्रोसेफलस के लिए एक्सटर्नल वेंट्रिकुलर ड्रेन (ईवीडी) का उपयोग करके न्यूरोसर्जरी की। यह ऐसी स्थिति जिसमें मस्तिष्क की गुहाओं में तरल पदार्थ जमा होने से मस्तिष्क क्षति का कारण बन सकता है। फेकोइमल्सीफिकेशन एक मोतियाबिंद सर्जरी है जो दृष्टि स्पष्टता में तेज़ी से सुधार प्रदान करती है। यह तकनीक सटीक लेंस प्लेसमेंट की करता है, जिससे दृश्यता बहुत बेहतर होता है। पारंपरिक तरीकों की तुलना में पोस्ट-ऑपरेटिव देखभाल और रिकवरी समय को कम करता है, जिससे मरीज को बेहतर उपचार मिलता है।

फेकोएमल्सीफिकेशन एक आधुनिक, सिलाई-मुक्त मोतियाबिंद सर्जरी है जो दृष्टि स्पष्टता में तेजी से सुधार प्रदान करती है। यह तकनीक सटीक लेंस प्लेसमेंट की अनुमति देती है, जिससे दृश्य परिणाम काफी बेहतर होते हैं। इसके अलावा, यह पारंपरिक तरीकों की तुलना में पोस्ट-ऑपरेटिव देखभाल और रिकवरी के समय को कम करता है, जिससे रोगियों को तेज़ और अधिक कुशल उपचार मिलता है।

बालको अस्पताल ने आर्थ्रोप्लास्टी भी शुरू की है जो जोड़ों के प्रतिस्थापन पर केंद्रित एक उन्नत सर्जिकल प्रक्रिया है। इसका उद्देश्य गठिया, फ्रैक्चर या जोड़ों के अधःपतन जैसे जोड़ों के विकारों से पीड़ित रोगियों के लिए गतिशीलता तथा पुराने दर्द को कम करना है। इस तकनीक से क्षतिग्रस्त या घिसे हुए जोड़ों को कृत्रिम प्रत्यारोपण की सुविधा तथा रिकवरी समय काफी कम है। पूरी तरह से स्वचालित पैथोलॉजी विश्लेषक के जुड़ाव से निदान सटीकता बढ़ी है। इन सभी से मरीजों के परिणाम बेहतर तथा उपचार उचित तरीके से हो पाती है।

बालको अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विवेक सिन्हा ने स्वास्थ्य सेवा में अत्याधुनिक तकनीक के उपयोग पर कहा कि तकनीकी प्रगति ने बेहतर निदान प्रदान करने की हमारी क्षमता को काफी बढ़ाया है जो प्रभावी उपचार की आधारशिला है। इन नई क्षमताओं के साथ हमने अपनी स्वास्थ्य सुविधा का विस्तार किया है, जिससे हम समुदाय की सेवा करने तथा मरीजों के जीवन पर सार्थक प्रभाव डाल सकते हैं।

डॉ. प्रदीप त्रिपाठी द्वारा सफलतापूर्वक न्यूरोसर्जरी का इलाज करवाने वाले मरीज श्री राम नाथ ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं बालको अस्पताल के डॉक्टरों को उनकी असाधारण देखभाल और उपचार के लिए आभारी हूँ। सर्जरी के बाद की उनकी निरंतर जांच प्रतिक्रिया और देखभाल ने बहुत आराम दिया। मुझे किसी दूसरे शहर की यात्रा नहीं करनी पड़ी जो हमारे परिवार के लिए बेहद सुविधाजनक था। मैं अपनी रिकवरी के लिए उनकी विशेषज्ञता और अच्छे तरीके से ख्याल रखने का आभारी हूँ।

100 आधुनिक बेड से युक्त बालको अस्पताल कंपनी के कर्मचारियों एवं उनके परिवारजन और विभिन्न जिलों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है। हमारी विशेषज्ञ की टीम है जिसमें सामान्य चिकित्सक, नेत्र रोग विशेषज्ञ, ईएनटी विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ, रेडियोलॉजिस्ट , एनेस्थेसियोलॉजिस्ट , फिजियोथेरेपिस्ट, दंत चिकित्सक, स्त्री रोग विशेषज्ञ और आर्थोपेडिक सर्जन के साथ 09 विजिटिंग कंसल्टेंट शामिल हैं। इसके साथ ही अस्पताल को 14 रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर, 60 नर्स और 113 स्टाफ सदस्यों का समर्थन प्राप्त है। नियमित जांच शिविर, जागरूकता शिविर आयोजित करने के साथ ही आयुष्मान भारत और सरकार द्वारा निर्धारित समस्त टीकाकरण कार्यक्रमों का अनुसरण बालको अस्पताल में किया जाता है।

बालको अस्पताल उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने का विकल्प है-राजेश कुमार

अस्पताल में चिकित्सा उपचार में नई तकनीक के प्रगति पर बात करते हुए बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि बालको अस्पताल कोरबा में उन्नत उपचार विकल्प प्रदान कर रहा है जो स्थानीय समुदाय को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए बालको की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बालको अस्पताल की यह प्रगति निरंतर हमारे किये गए प्रयासों को दर्शाती है कि उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा देखभाल सभी के लिए सुलभ हो। यह तकनीकी पहल सामुदायिक स्वास्थ्य को बढ़ाने में हमारी भूमिका और मजबूत होगी।

बालको ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए आयोजित की 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला

नई पीढ़ियों के भविष्य को आकार देने में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका महत्वपूर्ण

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने ईसीसीई कार्यक्रम को बढ़ावा देने हेतु आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की क्षमता निर्माण के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित किया। प्रशिक्षण नंद घर परियोजना के व्यापक उद्देश्य, बच्चों के बेहतर देखभाल को सुनिश्चित करते हुए नंद घर में पोषण और बेहतर वातावरण बनाने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को आवश्यक कौशल तथा ज्ञान प्राप्त करने पर केंद्रित था। महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से आयोजित कार्यशाला आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के बीच अच्छी प्रथाओं को शामिल करने और व्यवहार परिवर्तन की शुरुआत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की क्षमता निर्माण से ईसीएस कार्यक्रमों को लागू करने में सहायक हैं। 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं (एडब्ल्यूडब्ल्यू) के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं को लागू करने का एक मंच के रूप में काम किया तथा नंद घर के बेहतर उपयोग को बढ़ाने के लिए विचारों के आदान-प्रदान को सुनिश्चित किया गया। 3 नंद घर के सदस्यों तथा 29 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

क्षमता निर्माण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा में इसकी भूमिका को समझना। नंद घर, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) के मॉडल को अपनाते हुए सर्वांगीण बाल विकास को बढ़ावा दे रहा है। प्रारंभिक बाल्यावस्था में बच्चों का उद्दीपन (ईसीएस), 3 से 6 वर्ष की आयु के बच्चों के संज्ञानात्मक, शारीरिक और सामाजिक विकास को उद्दीपन करने की तकनीक और अभ्यास में इसके महत्व के बारे में जानना। ऐसी तरीकों की खोज जो बच्चों के सर्वांगीण विकास का समर्थन करती हैं जिसमें नैतिक और भावनात्मक विकास भी शामिल है। नंद घर में अनुकूल सीखने का माहौल बनाने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश। निरंतर उद्दीपन और सीखने को सुनिश्चित करने के लिए एक मासिक कार्यक्रम कैलेंडर तैयार करना। आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को आकार देने में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका और बचपन के विकास को बढ़ावा देने में उनकी जिम्मेदारी सुनिश्चित करना।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि सामुदायिक विकास कार्यक्रम कंपनी के दृष्टिकोण में शामिल है। हम छत्तीसगढ़ में विभिन्न नंद घर की मदद से बाल विकास का समर्थन कर समुदाय की भलाई को बढ़ावा दे रहे हैं। बच्चे इस देश की भविष्य है, कंपनी उनके विकास के लिए विभिन्न पहल संचालित करता है।

वेदांता समूह दिल्ली हाफ मैराथन आयोजित कर रहा है जिसमें रन फॉर जीरो हंगर के तहत वन किलोमीटर वन मील (भोजन) का प्रावधान है। कंपनी ने संकल्प लिया है कि प्रत्येक किलोमीटर पर नंद घर के बच्चों को वन मील (भोजन) मुहैया कराया जाएगा। सुश्री रेणु प्रकाश, जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला और बाल विकास ने वेदांता बालको द्वारा संचालित नंद घर परियोजना की सराहना की। उन्होंने प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा के लिए टीम के समर्पण की सराहना की जो एकीकृत बाल विकास सेवाओं को बेहतर तरीके से लागू करता है। 2 दिवसीय ईसीसीई प्रशिक्षण नंदघरों में बच्चों के अनुकूल माहौल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बच्चों को वह समग्र सहायता मिले जिसकी उन्हें बढ़ने के लिए आवश्यकता है। कार्यशाला बाल विकास को बढ़ाने के लिए कार्यकर्ताओं की उपस्थिति और सहभागिता को बढ़ावा दे रही है। खटखटियापारा की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मीना देवांगन ने कहा कि मैं नंद घर प्रोजेक्ट द्वारा आयोजित दो दिवसीय ईसीसीई प्रशिक्षण के लिए बहुत आभारी हूं। कार्यशाला से हमने विभिन्न उपयोगी तरीके सीखे, जैसे बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए दर्पण का उपयोग करना। प्रशिक्षण से नंद घर में बच्चों के साथ काम करने के नए आयाम का पता चला। मैं इसे उपयोग करने के लिए उत्साहित हूं। मुझे यकीन है कि इससे बच्चों की उपस्थिति बढ़ेगी और उनके विकास में भी सुधार होगा।

सामुदायिक विकास बालको के दृष्टिकोण में शामिल-राजेश

बालको की नंदघर परियोजना की सराहना की रेणु प्रकाश ने

कवि मुक्तिबोध को स्मरण किया प्रलेस ने:

मुक्तिबोध ऐसे कवि जिन्हें कभी नहीं भुलाया जा सकता-जसराज जैन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

आज हिंदी के महत्वपूर्ण प्रगतिशील कवि गजानन माधव मुक्तिबोध की पुण्य तिथि पर उन्हें याद किया गया। कवि मुक्तिबोध पर केंद्रीत दैनिक लोक सदन के अंक का विमोचन वरिष्ठ पत्रकार जसराज जैन के करकमलों से संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि की आसंदी से जसराज जैन ने कहा कि गजानन माधव मुक्तिबोध हिंदी के ऐसे कवि हैं, जिन्हें कभी नहीं भुलाया जा सकता। उनके साहित्य पर लगातार शोध चल रहे हैं। ऐसे मौके पर स्थानीय स्तर पर उन्हें स्मरण किया जा रहा है, जो अविस्मरणीय पहल है । इस अवसर पर प्रलेस अध्यक्ष एवं लोक सदन के संपादक सुरेशचंद्र रोहरा ने कहा मुक्तिबोध ऐसे समकालीन कवि हैं, जिन्हें आज संपूर्ण देश में स्मरण किया जा रहा है, क्योंकि उन्होंने अपने साहित्य में सच को स्थापित किया।

जिसमें जिंदगी और मृत्यु दोनों ही रेखांकित है। इस अवसर पर पत्रकार सनंद दास दीवान, बोधसिंह ठाकुर, अफजल खान, प्रदीप गुप्ता, विमल थवाईत, बजरंग सोनी, सूरज, रामायण महंत सहित प्रलेस के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफ़ल संचालन पत्रकार सनंददास दीवान द्वारा किया गया।

ताम्रध्वज साहू के गृहग्राम पाऊवारा पहुंचकर श्रीमती कमला देवी साहू को जयसिंह ने दी श्रद्धांजलि

कोरबा (दिव्य आकाश)। पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू की पत्नी कमला देवी साहू का निधन रायपुर स्थित एक निजी चिकित्सालय में उपचार के दौरान हो गया। आकस्मिक निधन के कारण पूर्व गृहमंत्री के परिजनों व शुभचिंतकों में शोक व्याप्त है। वहीं पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने उनके गृहगांव पाऊवारा दुर्ग पहुंचकर उन्हे भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री अग्रवाल ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि ईश्वर उन्हें अपने चरणों में स्थान दे तथा दुख की इस घड़ी में परिवारजनों को सहन शक्ति प्रदान करें।

पत्रकारवार्ता: शस्त्र से नहीं,शास्त्र से समाज का परिवर्तन संभव- अतुल कृष्ण भारद्वाज

कोरबा (दिव्य आकाश)।

श्रीमद् भागवत कथा के व्याख्याकार आचार्य अतुल कृष्ण भारद्वाज ने समाज का परिवर्तन शस्त्र से नहीं बल्कि शास्त्र से हो सकता है। महर्षि वाल्मीकि के अतीत से जुड़े प्रसंग पर बोलते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके जीवन को अच्छे विचारों और आचरण ने बदलने का काम किया। धर्म के सभी लक्षण के प्रतीक श्री राम हैं।

कोरबा के मेहर वाटिका में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए अतुल कृष्ण भारद्वाज ने यह बात कही। ठंडूराम परिवार के द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के लिए आचार्य भारद्वाज का कोरबा प्रवास हुआ है।

पत्रकारों से संवाद करते हुए आचार्य भारद्वाज ने धर्म का उद्देश्य मानव जीवन को सही अर्थों में जीने की विषय वस्तु को सीखने-सिखाने का है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म की अवधारणा सहस्त्र वर्षों की है। शाश्वत सत्य यह है कि ब्रम्हा ही सृष्टि के कर्ता हैं। उनके दाहिने भुजा से पुरूष (मनु) और बांयी भुजा से महिला (शतरूपा) की उत्पत्ति हुई और यहीं से ही सृष्टि का शुभारंभ हुआ है। दूसरे संप्रदाय अलग-अलग देने में लगे हुए हैं लेकिन वास्तविक तथ्य सनातन के पक्ष में है। उन्होंने कहा कि आदम और एडम भी आदि पुरूष के उपनाम हैं और सभी धर्म के लोग यही मानते हैं।

छत्तीसगढ़ और देश के बड़े हिस्से में धर्मांतरण के कारण बढ़ रहे संकट को लेकर उन्होंने कहा कि सरकार की दूसरी शक्तियां हर दौर में काम करती रही। आदिकाल से यह धरती देवासुर संग्राम की धरती रही है । यहां पर देव और दानव के बीच संग्राम होता रहा है, लेकिन इस प्रकार की परिस्थितियों के बीच लोक जागरूक हो रहे हैं।

विज्ञान और पत्रकारिता में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त आचार्य अतुल कृष्ण भारद्वाज ने बताया कि डिजिटल क्रांति के दौर में कई प्रकार के परिवर्तन और प्रयोग हो रहे हैं। इसके कुछ अच्छे परिणाम हैं, तो दुष्परिणाम भी सामने आ रहे हैं। आचार्य भारद्वाज ने वर्तमान कालखंड में मौजूद विभिन्न प्रकार का उल्लेख करते हुए लोगों को सद्चरित्र रहने का आव्हान भी किया।

दुनिया की सभी भाषाओं में संस्कृत

आचार्यश्री ने कहा कि सभी भाषाओं की जननी संस्कृत ही है। दुनिया की सभी भाषाओं में आपको संस्कृत के शब्द मिल जाएंगे। इसे साफ जाहिर होता है कि सनातन में भारत ही विश्व गुरू रहा है और धीरे-धीरे हम फिर से यह गौरव हासिल करेंगे।

धर्म आदर्श जीवन जीने की सीख देता है

धर्म हमें कभी भी लड़ाने का काम नहीं करता, लेकिन धर्म का राजनीतिकरण हो जाने के कारण राजनेता धर्म के नाम पर लोगों को लड़ाते हैं। धर्म हमें आदर्श और उत्कृष्ट जीवन शैली की सीख देता है। उन्होंने कहा कि राम पूरे विश्व में सबसे आदर्श हैं और उन्होंने लोगों को आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा दी। उन्होंने राजनीति की सीख भी दी और राजनीति के माध्यम से राम राज्य की स्थापना की। आज के राज नेता राम राज्य का नारा देते हैं, लेकिन उनकी राजनीति का अनुशरण कोई नहीं करता।

राम ने कभी सीता को छोड़ा ही नहीं, इतिहास तोड़ने की साजिश हुई

आचार्यश्री ने कहा कि बाल्मिकी और तुलसी रामायण में भगवान राम के अवतरण से लेकर लंका दहन, 14 साल का वनवास और अयोध्या में राज्याभिषेक तथा एक हजार साल तक राज करने की कहानी उद्धृत है। हमारी संस्कृति को तोड़ने का काम यहां के आततायियों ने किया और नया इतिहास लिखने के लिए पश्चिम देश के लोगों ने लेखकों को करोड़ों डॉलर दिए। उन्होंने कहा कि हमारे पास जो वेद-ग्रंथ हैं, वे 5 हजार वर्ष पूर्व के हैं और 5 हजार वर्ष के बाद कोई ऐसा वेद और पुराण नहीं आया। आज विद्यार्थियों को जो पढ़ाया जा रहा है, वह अंग्रेजों की देन है और यहां के आततायियों ने भारत की सांस्कृतिक विरासत को खत्म करने के लिए हमारे इतिहास को तोड़ मरोड़ दिया। हमारे वेद ग्रंथों में उत्तर रामायण का जिक्र आता ही नहीं और कभी राम ने सीता को छोड़ा ही नहीं।

आचार्यश्री ने कहा कि जब मैं एक जगह रामायण कथा का वाचन कर रहा था, तब एक लड़की ने कहा कि राम कैसे आदर्श हो सकते हैं? राम ने अपनी धर्मपत्नी को छोड़ दिया। आचार्यश्री ने लड़की के इस प्रश्न का ऐसा जवाब दिया कि लड़की मानने लगी कि राम ही आदर्श हैं। आचार्यश्री ने कहा कि राम एक अच्छे पुत्र, एक अच्छे शासक, एक अच्छा भाई और एक अच्छा पति भी हैं। उन्होंने कहा कि जिस राम की जेब में एक सिक्का नहीं था, वे अपनी धर्मपत्नी के लिए विश्व के सबसे बलशाली राजा रावण को मारा, ऐसी लड़की को अपनी जीवन संगिनी बनायी, जिसके माता पिता का कोई उल्लेख नहीं और राजा जनक को वह लड़की खेत जोतते समय जमीन से मिली। कैसे कह सकते हैं कि राम आदर्श नहीं हैं।

आचार्य श्री ने कहा कि आगरा के ताजमहल को प्रेम का प्रतीक माना जाता है, राम और सीता के प्रेम प्रतीक राम सेतु को क्यों नहीं। सीता के लिए राम ने समुद्र में सेतु का निर्माण कर दिया, ऐसा उदाहरण कहीं विश्व में मिल सकता है क्या? आचार्य श्री के शब्दों पर लड़की का भ्रांति हटी और कहने लगी राम ही आदर्श हैं। राम ने सीता को नहीं छोड़ा, यह कहानी हमारे इतिहास को खत्म करने के लिए लिखी गई मनगढ़ंत कहानी है और हम लोगों को जागरूक कर रहे हैं। एक दिन आएगा और लोग सच्चाई को मानने लगेंगे।

आचार्यश्री की पत्रकार वार्ता में बिरजू अग्रवाल,हनुमान अग्रवाल, गोपी अग्रवाल, महेश अग्रवाल,संजय अग्रवाल, नरेश गर्ग सहित ठण्डुराम परिवार के जजमान उपस्थित थे।

राशनकार्ड नवीनीकरण व ईकेवाईसी की समय सीमा 31 अक्टूबर तक बढ़ी

कोरबा (दिव्य आकाश)।

राज्य शासन के निर्देशानुसार खाद्य विभाग द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत प्रचलित अंत्योदय, प्राथमिकता, निराश्रित, निःशक्तजन एवं सामान्य (एपीएल) श्रेणी परिवार के राशनकार्डो के नवीनीकरण हेतु समय-सीमा में 31 अक्टूबर 2024 तक वृद्धि की गई है। राशन कार्ड नवीनीकरण हेतु राशन कार्ड में दर्ज सदस्यों में से किसी भी एक सदस्य का ई-केवाईसी होना अनिवार्य है। राशनकार्डधारी सदस्यों के ई-केवाईसी का कार्य शासकीय उचित मूल्य दुकान में ई-पॉस मशीन के माध्यम से किया जा रहा है, जिसके लिए राशनकार्डधारी सदस्यों को अपने राशन कार्ड एवं आधार कार्ड साथ किसी भी शासकीय उचित मूल्य दुकान में उपस्थित होकर ई-केवाईसी कराया जा सकता है। जिले में प्रचलित समस्त राशनकार्डो का नवीनीकरण एवं राशन कार्ड में दर्ज सभी सदस्यों का ई-केवाईसी कराना अनिवार्य है। एंड्राइड मोबाइल एप्प के माध्यम से घर बैठे ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा प्रदान की गई है। https://fcs.cg.gov.in में घर बैठे केवाईसी कर सकते हैं।

लगन से काम करो, मेहनत से जी ना चुराओ, आराम कड़ी मेहनत के बाद ही अच्छा लगता है।

-मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया जी

कोरबा के नवनिर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले जिले के समस्त अभियंताओं को अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं... सभी का अभिनंदन...

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

अनुविभागीय अधिकारी
लोक निर्माण विभाग कोरबा
जिला-कोरबा (छ.ग.)

अभियंता दिवस की हार्दिक बधाई...

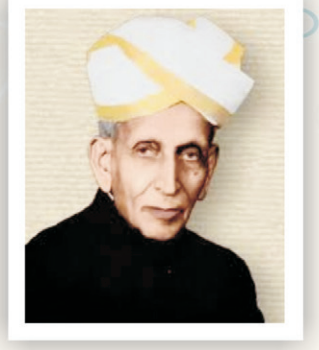

इंजी. शाह नवाज खान
उप अभियंता, आरईएस
पाली, जिला-कोरबा (छ.ग.)

अभियंता दिवस की हार्दिक बधाई...

इंजी. एस.के. उसेंडी
उप अभियंता, पीडब्ल्युडी
कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

अभियंता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

अनुविभागीय अधिकारी
लोक निर्माण विभाग उप संभाग
कटघोरा क्र.-1, जिला-कोरबा (छ.ग.)

अभियंता दिवस की हार्दिक बधाई...

अनुविभागीय अधिकारी
लोक निर्माण विभाग उप संभाग
कटघोरा क्र.-2, जिला-कोरबा (छ.ग.)

अभियंता दिवस की हार्दिक बधाई...

अनुविभागीय अधिकारी
लोक निर्माण विभाग उप संभाग
भैसमा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

राष्ट्र को समर्पित व्यक्तित्व सर मोक्षगुंडम जी की जयंती (15 सितंबर)अभियंता दिवस पर सभी का हार्दिक अभिनंदन...

अनुविभागीय अधिकारी
ग्रामीण यांत्रिकीय सेवा
उप संभाग करतला, जिला-कोरबा (छ.ग.)

राष्ट्र के प्रथम अभियंता सर मोक्षगुंडम जी की जयंती अभियंता दिवस पर आप सभी को हार्दिक बधाई...

अनुविभागीय अधिकारी
ग्रामीण यांत्रिकीय सेवा
उप संभाग कोरबा, जिला-कोरबा (छ.गँ.

राष्ट्र को समर्पित व्यक्तित्व सर मोक्षगुंडम जी की जयंती (15 सितंबर)अभियंता दिवस पर सभी का हार्दिक अभिनंदन...

इंजी. एस.एल. द्विवेदी
कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग
कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

इंजी. एस.एस. रात्रे
अनुविभागीय अधिकारी
जल संसाधन, उप संभाग कोरबा

राष्ट्र के नवनिर्माण में अहम योगदान देने वाले देश के प्रथम अभियंता सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैय्या जी की जयंती पर शत् शत् नमन एवं अभियंता दिवस पर सभी अभियंताओं का हार्दिक अभिनंदन...

आप जो सीख चुके हो उससे अधिक सीखने का प्रयास करो

अहंकारी मत बनो, स्वभाव विनम्र बनाओ और साथियों के साथ मिलकर काम करने की आदत डालो। -सर मोक्षगुंडम

इंजी. के.एस. पैकरा
अनुविभागीय अधिकारी
जल संसाधन उप संभाग कटघोरा- क्र.-01
जल संसाधन (पॉवर प्लांट) उप संभाग, दर्री
जिला-कोरबा (छ.ग.)

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर राजवाड़े द्वारा आकाश आफसेट टीपी नगर कोरबा से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com